हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, सोमवार, 15 सितंबर 2025 | अंक 331/ वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

दुबई में भारत ने छुड़ाए छक्के; बुरी तरह रौंदा, एकतरफा मैच में 7 विकेट से हराया

युद्ध के मैदान के बाद क्रिकेट की पिच पर हारा पाक

दुबई.

भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया है. विवादों में रहे इस मैच में पाकिस्तान टीम कभी भी जीत के करीब नजर ही नहीं आई. पाक टीम ने पहले बैटिंग करते हुए 127 रन बनाए थे, जवाब में भारतीय टीम ने 25 गेंद शेष रहते लक्ष्य को हासिल कर लिया. इस जीत के साथ भारतीय टीम ने सुपर-4 में जगह लगभग पक्की कर ली है. गेंदबाजी में कुलदीप यादव ने 3 विकेट झटके और बैटिंग में अभिषेक शर्मा ने भारत को धुआंधार शुरुआत दिलाई थी. 128 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया को अभिषेक शर्मा ने तूफानी शुरुआत दिलाई. अभिषेक के ताबड़तोड़ शॉट्स की बदौलत भारत ने चौथे ओवर में ही 40 रनों का आंकड़ा पार कर लिया था. इसी ओवर में अभिषेक 13 गेंद में 33 रन बनाकर आउट हुए. शुभमन गिल कुछ खास कमाल नहीं कर पाए.

10 रन के स्कोर पर वो सैम अय्यूब की गेंद पर चकमा खाकर स्टम्प आउट हो गए. भारत के 41 रन पर 2 विकेट गिर गए थे. यहां से तिलक वर्मा और कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जिम्मेदारी संभालते हुए 56 रनों की बेहद महत्वपूर्ण साझेदारी की. तिलक वर्मा ने 31 रन बनाए, लेकिन वो भी सैम अय्यूब की गेंद पर चकमा खाकर क्लीन बोल्ड हो गए. कप्तान सूर्यकुमार 47 रन बनाकर नाबाद रहे. उनके साथ शिवम दुबे भी 10 रन बनाकर नाबाद लौटे. भारत-पाकिस्तान मैच जिस अंदाज में खत्म हुआ, उसे देख भारतीय क्रिकेट फैंस को एमएस धोनी की याद आ गई होगी. कप्तान सूर्यकुमार यादव ने सुफियां मुकीम की गेंद पर जोरदार सिक्स लगाकर भारतीय टीम की 7 विकेट से जीत जीत सुनिश्चित की. कप्तान ने अपनी 47 रनों की सधी हुई पारी में 5 चौके और एक छक्का भी लगाया. इस जीत से भारतीय टीम ग्रुप A की पॉइंट्स टेबल में टॉप पर बनी हुई है, जिससे उसकी सुपर-4 में जगह लगभग पक्की हो गई है. भारत के दो मैचों में 4 अंक हो गए हैं, दूसरी ओर पाकिस्तान के अभी 2 अंक हैं और ग्रुप स्टेज में उसका सिर्फ एक मैच बचा है.

.....कुलदीप का जादू

भारतीय टीम के स्पिन गेंदबाज कुलदीप यादव एशिया कप 2025 में बल्लेबाजों के लिए खतरे की घंटी बने हुए हैं. कुलदीप यादव के आते ही बल्लेबाज अपनी विकेट गंवा बैठते हैं. चाइनामैन की जादुई स्पिन ने कई बल्लेबाजों को पवेलियन का रास्ता दिखाया है. कुलदीप यादव एशिया कप में अब तक सात विकेट हासिल कर चुके हैं. यूएई के बाद पाकिस्तान के धाकड़ बल्लेबाजों ने भी कुलदीप यादव की स्पिन गेंदबाजी के सामने घुटने टेक दिए. चाइनामैन कुलदीप यादव की गेंद समझ पाना एशिया कप में किसी भी बल्लेबाज के लिए मुश्किल बन गया है. कुलदीप ने यूएई के खिलाफ मैच में 2.1 ओवर में केवल 7 रन देकर 4 विकेट चटकाए थे. इस मैच में कुलदीप यादव प्लेयर ऑफ द मैच भी बने थे. वहीं पाकिस्तान के खिलाफ मैच में भी कुलदीप यादव की धाकड़ गेंदबाजी नजर आई. पाकिस्तान के खिलाफ मैच में कुलदीप ने तीन विकेट चटकाए. इस मैच में कुलदीप ने बल्लेबाजों को इस तरह जाल में फंसाया कि वे हैट्रिक ले सकते थे, लेकिन ये कुलदीप लगातार तीन विकेट नहीं चटका पाए.

आवारा कुत्तों पर विवाद के बीच पीएम बोले

एनिमल लवर्स गाय को जानवर नहीं मानते; सुप्रीम कोर्ट ने डॉग लवर्स के पक्ष में फैसला सुनाया था

नई दिल्ली.

देश भर में आवारा कुत्तों पर विवाद के बीच पीएम मोदी ने एनिमल लवर्स पर चुटकी ली। उन्होंने 12 सितंबर को दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि मैं पिछले दिनों कुछ एनिमल लवर्स से मिला। हमारे देश में ऐसे बहुत एनिमल लवर्स हैं और विशेषता है कि वे गाय को एनिमल नहीं मानते। पीएम की बातों पर कार्यक्रम में मौजूद केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और हॉल में बैठे लोग ठहाके लगाकर हंसने लगे। प्रधानमंत्री भी मुस्कुराने लगे और लोगों से उन्होंने पूछा- क्यों, आपको हंसी आ गई? पूरे वाकिये का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दरअसल, 11 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक आदेश में दिल्ली-एनसीआर के आवासीय इलाकों से सभी आवारा कुत्तों को 8 हफ्तों में हटाकर हमेशा के लिए शेल्टर होम में भेजने का आदेश दिया था। इस आदेश का देश भर में डॉग लवर्स ने सड़कों से लेकर सोशल मीडिया तक विरोध किया था। 22 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने अपना आदेश पलट दिया। कोर्ट ने फैसले में संशोधन करते हुए आक्रामक या पागल कुत्तों को छोड़कर, सभी आवारा कुत्तों को नसबंदी और टीका लगाने के बाद वापस वहीं छोड़ने का आदेश दिया, जहां से उन्हें पकड़ा गया था। प्रधानमंत्री मोदी खुद एक गौ प्रेमी हैं। वे दिल्ली के 7, लोक कल्याण मार्ग स्थित अपने सरकारी आवास में भी गाय पालते हैं। उन्होंने कई बार अपने आवास पर गायों के साथ समय बिताते पलों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। पीएम मोदी ने जनवरी 2024 में, मकर संक्रांति पर पुंगनूर (गाय का ब्रीड) गायों को चारा खिलाते हुए अपना एक वीडियो साझा किया था। पुंगनूर छोटी कद की, बैलों की तरह दिखने वाली गायों की एक भारतीय नस्ल है। इनकी ऊंचाई औसतन 3 से 5 फीट और वजन 115 से 200 केगी तक होता है। 14 सितंबर, 2024 को प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर बताया था कि उनके आवास पर एक गाय ने एक बछिया को जन्म दिया है, जिसके माथे पर 'प्रकाश का प्रतीक' है। पीएम ने बछड़े का नाम दीपज्योति रखा था, जिसका मतलब है 'दीपक की रोशनी'। मोदी सरकार ने 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद गौ संरक्षण के लिए कई पहल शुरू की हैं। उन्होंने 2019 में राष्ट्रीय कामधेनु आयोग की स्थापना की थी। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाले रखा की स्थापना गायों और उनकी संतानों के संरक्षण, सुरक्षा और विकास के लिए की गई थी।

सबकी भविष्यवाणियां हुईं गलत

भारत विकास पथ पर आगे बढ़ रहा: आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

नई दिल्ली.

राष्ट्रीय स्वयंसवेक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि भारत सबकी भविष्यवाणियों को गलत साबित करके विकास पथ पर आगे बढ़ रहा है. इंदौर में एक पुस्तक विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब भारत 3,000 वर्षों तक विश्वगुरु था, तब कोई वैश्विक संघर्ष नहीं था.

उन्होंने आगे कहा कि दुनिया में संघर्षों के लिए व्यक्तिगत हित ही जिम्मेदार हैं, जिन्होंने सभी समस्याओं को जन्म दिया. पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल का जिक्र करते हुए भागवत ने कहा कि ब्रिटिश शासन समाप्त होने के बाद भी भारत एकजुट रहकर उन्हें गलत साबित कर दिया. उन्होंने कहा कि"विंस्टन चर्चिल ने एक बार कहा था कि (ब्रिटिश शासन से) आजादी के बाद, आप (भारत) जीवित नहीं रह पाएंगे और विभाजित हो जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ."

उन्होंने कहा कि अब इंग्लैंड खुद विभाजन की स्थिति में आ रहा है, लेकिन हम विभाजित नहीं होंगे. हम आगे बढ़ेंगे. उन्होंने आगे कहा, "हम एक बार विभाजित थे, लेकिन हम उसे फिर से एकजुट करेंगे." उन्होंने कहा कि जहां दुनिया आस्था और विश्वास पर चलती है, वहीं भारत कर्म और तर्क से परिपूर्ण आस्था की भूमि है.

भागवत ने आगे कहा, "हम सभी जीवन रूपी नाटक में अभिनेता हैं और हमें अपनी भूमिकाएं निभानी हैं, और नाटक समाप्त होने पर हमारा वास्तविक स्वरूप प्रकट होता है." उन्होंने कहा कि भारत में जो आस्था विद्यमान है, वह प्रत्यक्ष अनुभूति (ज्ञान) और प्रमाण पर आधारित है. मोहन भागवत ने कहा कि निजी स्वार्थों के कारण ही दुनिया में संघर्ष चलते हैं और सारी समस्याएं हैं. भारत में जो श्रद्धा है, वह प्रत्यक्ष प्रतीति (ज्ञान) और प्रमाणों पर आधारित है. मोहन भागवत ने कहा कि नर्मदा नदी की परिक्रमा सर्वत्र श्रद्धा का विषय है. हमारा देश श्रद्धा का देश है. यहां कर्मवीर भी हैं और तर्कवीर भी हैं. दुनिया श्रद्धा और विश्वास पर चलती है.

10 साल बाद सभी 17 आरोपी बरी

ठाणे. ठाणे कोर्ट ने 2015 के दंगों के मामले में पूरे 10 साल बाद सभी 17 आरोपियों को बरी कर दिया है. इस दंगे में पुलिसकर्मियों को चोट लगी थी और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा था. अदालत ने पहचान में विफलता और गंभीर जांच की खामियों का हवाला देते हुए सभी 17 आरोपियों को बरी किया. अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वसुधा एल. भोसले ने 8 सितंबर को यह फैसला सुनाया. उन्होंने अपने फैसले में कहा कि अभियोजन की ओर से पेश किए गए सबूत आरोपियों को दोषी साबित करने के लिए पर्याप्त नहीं थे. यह घटना 2 जनवरी 2015 को महाराष्ट्र के ठाणे जिले के दिवा रेलवे स्टेशन पर हुई थी.

250 करोड़ का फ्लाईओवर, 2 महीने में बर्बाद!

डोंबिवली पालावा फ्लाईओवर ने खोली भ्रष्टाचार की पोल

मुंबई.

महाराष्ट्र के डोंबिवली पालावा फ्लाईओवर को लेकर इस समय लोगों में गुस्सा और निराशा साफ दिखाई दे रही है. यह फ्लाईओवर बनाने में पूरे 6 साल लगे और करीब 250 करोड़ रुपये खर्च किए गए. इतने लंबे इंतजार और भारी-भरकम खर्च के बाद जब फ्लाईओवर तैयार हुआ तो लोगों को उम्मीद थी कि अब ट्रैफिक की परेशानी कुछ हद तक कम होगी. लेकिन हैरानी की बात यह है कि उद्घाटन के सिर्फ दो महीने बाद ही इसकी हालत खस्ता हो गई है. वीडियो में देखा जा सकता है कि फ्लाईओवर पर दरारें, गड्ढे और निर्माण कार्य की खराब क्वालिटी साफ दिख रही है. लोग अब सवाल उठा रहे हैं कि आखिर इतना पैसा खर्च करने के बाद भी सड़क इतनी जल्दी क्यों टूटने लगी? स्थानीय लोगों का कहना है कि यह फ्लाईओवर भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन का सबसे बड़ा उदाहरण है. 250 करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद यदि ढांचा दो महीने भी ठीक से नहीं टिक पाया तो यह साफ बताता है कि काम में घटिया सामग्री इस्तेमाल की गई होगी. लोग सोशल मीडिया पर भी अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं. उनका कहना है कि यह केवल पैसों की लूट है और इसमें शामिल अधिकारियों, ठेकेदारों और नेताओं पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए. लेकिन अफसोस की बात यह है कि ज्यादातर मामलों की तरह यहां भी शायद कोई जिम्मेदार सजा नहीं पाएगा. यह स्थिति न सिर्फ जनता के टैक्स के पैसों की बर्बादी है बल्कि आने वाले समय में लोगों की जान के लिए भी खतरा बन सकती है. फ्लाईओवर पर बढ़ते गड्ढे कभी भी बड़ा हादसा करा सकते हैं.

सीपी राधाकृष्णन के बाद महाराष्ट्र को मिला नया राज्यपाल

नई दिल्ली.

गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. यह जिम्मेदारी सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद मिली है. आचार्य देवव्रत अपनी पत्नी दर्शना देवी के साथ 14 सितंबर सुबह अहमदाबाद से तेजस एक्सप्रेस ट्रेन में सवार होकर मुंबई के लिए रवाना हुए. उन्हें सोमवार, 15 सितंबर को सुबह 11 बजे मुंबई के राजभवन में शपथ दिलाई जाएगी. महाराष्ट्र के राज्यपाल कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उनकी यात्रा से जुड़ी फोटो और वीडियो शेयर किए. इसमें आचार्य देवव्रत और उनकी पत्नी तेजस एक्सप्रेस में सफर करते दिखाई दे रहे हैं. फोटो के कैप्शन में लिखा गया, "गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, जिन्हें महाराष्ट्र के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है, रविवार सुबह तेजस एक्सप्रेस से अहमदाबाद से मुंबई के लिए रवाना हुए." सीपी राधाकृष्णन के उपराष्ट्रपति चुने जाने के बाद महाराष्ट्र के राज्यपाल पद से इस्तीफा दे दिया.

इसके बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत को महाराष्ट्र के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा. आईएएनएस के अनुसार, राष्ट्रपति के प्रेस सचिव अजय कुमार सिंह ने 11 सितंबर को आधिकारिक आदेश जारी किया. प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि यह नियुक्ति उनके वर्तमान कर्तव्यों के अतिरिक्त महाराष्ट्र के राज्यपाल के कार्यों का निर्वहन करने के लिए की गई है. आचार्य देवव्रत ने जुलाई 2019 से गुजरात के राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभाला हुआ है. इसके पहले उन्होंने अगस्त 2015 से जुलाई 2019 तक हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल के रूप में सेवाएं दी हैं. उनके अनुभव और प्रशासनिक कौशल के कारण उन्हें महाराष्ट्र की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है. अब वह दोनों राज्यों के मामलों पर ध्यान देंगे और राज्यपाल के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे.

उत्तर-पूर्व के राज्यों में महसूस हुए भूकंप के झटके

गुवाहाटी. असम समेत उत्तर-पूर्व भारत रविवार शाम में भूकंप से थर्रा उठा। असम समेत पूरे नार्थ-ईस्ट में एक के बाद एक लगातार चार बार भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक, पहली बार आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.6 मापी गई। इसका केंद्र असम के उदलगुरी के पास था। वहीं बाकी के तीन बार आए भूकंप की तीव्रता कम रही। हालांकि भूकंप से झटकों से लोग सहम उठे और अपने घरों से बाहर निकले। भूकंप के बाद मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। उत्तर-पूर्व भारत के कई हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस करते ही लोगों में हड़कंप मच गया। हालांकि थोड़ी देर में स्थिति सामान्य हो गई। धरती हिलते ही लोग अपने घरों से निकलकर खुले आसमान के नीचे आ गए। भूकंप की गहराई असम के उदलगुड़ी में 5 किलोमीटर थी।

रामभद्राचार्य के मिनी पाकिस्तान वाले बयान पर बरसे शिवपाल यादव

नई दिल्ली.

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व अखिलेश यादव के चाचा शिवपाल यादव ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की तुलना पाकिस्तान से किये जाने के रामभद्राचार्य के बयान पर प्रतिक्रिया दी है. इसके अलावा शिवपाल यादव ने आज भारत और पाकिस्तान के बीच दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में होने वाले क्रिकेट मैच पर प्रतिक्रिया दी है.

सपा नेता शिवपाल यादव ने आज भारत और पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाले क्रिकेट मैच को लेकर कहा कि भारतीय जनता पार्टी से जनता का विश्वास उठ चुका है. पहलगाम आतंकी हमले को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा है. साथ ही इसके लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया है. उन्होंने कहा कि जो लोग इस मैच का विरोध कर रहे हैं, उन्हें लोकतंत्र में इसका अधिकार है. यह भी कहा कि देश में कानून व्यवस्था नहीं है. इसके साथ ही शिवपाल यादव ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य द्वारा पश्चिमी यूपी मिनी पाकिस्तान को बताये जाने पर प्रतिक्रिया दी है. शिवपाल यादव ने कहा कि, उन्हें दिखाई नहीं दे रहा है. ऐसे लोगों पर तरस आता है. सपा महासचिव ने कहा कि, बीजेपी वालों ने वादा किया था कि जब हमारी सरकार बनेगी तो आधी रात को महिलाएं कहीं भी घूम सकेंगी लेकिन महिलाएं और लड़कियां सुरक्षित नहीं है. यह आरोप लगाया है कि बहुत से मामलों में तो रिपोर्ट ही दर्ज नहीं की जा रही हैं. साथ ही उन्होने यूपी में हो रहे एनकाउंटर पर भी सवाल उठाया है. शिवपाल यादव ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है. मीडिया ब्रीफ करते हुए शिवपाल यादव ने कहा कि विधानसभा चुनावों की तैयारियां शुरू हो चुकी है.

पुलिस ने पुंछ में 3 आतंक समर्थकों को गिरफ्तार किया

जम्मू. जम्मू-कश्मीर में पुंछ जिले की मंडी तहसील के सीमावर्ती गांव सावजियां से सुरक्षा बलों ने एक बड़ी कामयाबी हासिल की है. यहां आतंकियों के एक गुप्त ठिकाने से 7 एके राइफलें, 16 मैगज़ीन और भारी मात्रा में गोलाबारूद बरामद किया गया है. इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 3 आतंकी समर्थकों को गिरफ्तार किया है, जिनकी पहचान तारिक, रियाज और शफी के रूप में हुई है. पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई लगातार चल रही खुफिया जांच और सुरागों के आधार पर की गई. इससे पहले भी सुरक्षाबलों ने 4 एके राइफलें बरामद की थीं, और अब 3 और राइफलों के मिलने से कुल संख्या 7 हो गई है. बरामदगी से यह साफ हो गया है कि यह नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय था और किसी बड़े हमले की साजिश रच रहा था. जांच में सामने आया है कि यह मॉड्यूल आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़ा हुआ था और सीमापार से हथियारों की सप्लाई कर रहा था. पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आतंकी समर्थकों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है और उनके नेटवर्क को खंगालने का काम जारी है. सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि अगर यह हथियार और गोला-बारूद समय पर बरामद न होते तो इसका इस्तेमाल किसी बड़े आतंकी हमले में किया जा सकता था. पुंछ जिले की संवेदनशीलता को देखते हुए इस सफलता को सुरक्षाबलों की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है.

गडकरी बोले- मेरा दिमाग 200 करोड़ प्रतिमाह का है

मुझे पैसों की कमी नहीं; एथेनॉल मिले पेट्रोल से बेटों को फायदा पहुंचाने का आरोप

नई दिल्ली. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को नागपुर के एक कार्यक्रम में एथेनॉल मिले पेट्रोल को लेकर आलोचनाओं का जवाब दिया। गडकरी ने कहा- मेरा दिमाग 200 करोड़ प्रति माह का है। मेरे पास पैसे की कोई कमी नहीं है। मुझे पता है कि पैसे कहां से ईमानदारी से कमाना है। गडकरी की यह टिप्पणी केंद्र सरकार की तरफ से एथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल के प्रचार की आलोचना के बीच आई है। सरकार ने कहा है कि 20% एथेनॉल ब्लेंड पेट्रोल एक स्वच्छ ईंधन है और इससे किसानों को गन्ना और मक्का जैसी अपनी फसलों के लिए बेहतर दाम मिल रहे हैं। आलोचकों का आरोप है कि इस स्कीम से पानी की कमी होगी और गाड़ियों को नुकसान होगा। गडकरी पर आरोप लगाया जा रहा है कि उनके बेटे दो बड़ी एथेनॉल कंपनियों के मालिक हैं। उन्हें फायदा पहुंचाने के लिए एथेनॉल मिले पेट्रोल बेचे जा रहे हैं। गडकरी ने सीधे तौर पर विवाद का जिक्र किए बिना कहा, 'मेरा बेटा आयात-निर्यात का काम करता है। हाल ही में मेरे बेटे ने ईरान से 800 कंटेनर सेब आयात किए और भारत से ईरान को 1,000 कंटेनर केले निर्यात किए। 'ईरान के साथ कोई मौद्रिक लेन-देन नहीं है। मेरे पास एक चीनी मिल, एक डिस्टलरी और एक बिजली संयंत्र भी है। मैं निजी लाभ के लिए कृषि में कोई प्रयोग नहीं कर रहा हूं। मैं अपने बेटों को विचार देता हूं, लेकिन मैं धोखाधड़ी का सहारा नहीं लेता।' भारत में हाल के हफ्तों में एथेनॉल मिले पेट्रोल की अनिवार्य बिक्री को लेकर लोगों ने सोशल मीडिया पर इसकी खूब आलोचना की। वाहन मालिकों का दावा है कि यह ईंधन माइलेज कम करता है और पुराने वाहनों को नुकसान पहुंचाता है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अगस्त महीने की शुरुआत में इस मुद्दे पर कहा था कि ई20 फ्यूल से गाड़ियों को कोई नुकसान नहीं होता मंत्रालय के मुताबिक, लंबे टेस्ट में 1 लाख किलोमीटर तक गाड़ियों को ई20 से चलाया गया और हर 10 हजार किलोमीटर पर चेक किया गया। नतीजा ये निकला कि पावर, टॉर्क और माइलेज में कोई खास फर्क नहीं पड़ा। हालांकि ये माना गया कि नए वाहनों में माइलेज 1-2% और पुरानी गाड़ियों में 3-6% तक कम हो सकता है, लेकिन ये 'ड्रास्टिक' नहीं है और इंजन ट्यूनिंग से इसे ठीक किया जा सकता है।

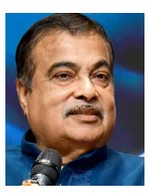

क्रेडाई नागपुर मेट्रो का प्रॉपर्टी एक्सपो 26 से

नागपुर. क्रेडाई नागपुर मेट्रो अपने प्रॉपर्टी एक्सपो का 15वां संस्करण 26 से 29 सितंबर तक चिटणवीस सेंटर में आयोजित करने जा रहा है. इस वर्ष की थीम है बेहतर कल के लिए ग्रीन लिविंग. इस एक्सपो से अग्रणी डेवलपर्स, होमवायर्स, निवेशक और इंडस्ट्री के पेशेवर सभी एक छत के नीचे आने वाले हैं. क्रेडाई नागपुर के अध्यक्ष राजमोहन शाह ने बताया कि इस संस्करण में ग्रीन थ्रीम के साथ टिकाऊ और शहर की रेरा रजिस्ट्रर्ड प्रॉपर्टी जिसमें किफायती और लग्जरी दोनों शामिल हैं, एक जगह प्रदर्शित होने वाली हैं. इस वर्ष 37 पैवेलियन हैं. लोगों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया है. इसके अलावा ग्रीन बीम पर आधारित वार्ता और अन्य गतिविधियों का आयोजन भी किया जाएगा. सचिव विश्वास गुप्ता ने बताया कि क्रेडाई एग्जीबिशन अब शहर में घर खरीदने वालों के लिए एक प्रमुख आयोजन बन चुका है. इन 4 दिनों में 10,000 लोगों के आने की उम्मीद है. लोगों के लिए यह एक सुखद अनुभव हो, इसके लिए वातानुकूलित डोम से लेकर ती प्रशस्त स्टॉल एरिया तक का इंतजाम किया गया है. संयोजक चंद्रशेखर खुने तथा सह संयोजक विजय जोशी व हर्षद दामले और युवा सेल के संयोजक प्रथमेश दारगन और उनकी टीम आयोजन की तैयारी में जुटी हुई है. अधिक जानकारी तथा स्टॉल बुकिंग के लिए चंद्रशेखर खुने तथा विजय जोशी से संपर्क कर सकते हैं.

जीएसटी लागू होने के बाद सस्ती हो जाएंगी दवाएं

नई दिल्ली.

राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने दवा और चिकित्सा उपकरण बनाने वाली कंपनियों को खास निर्देश दिए हैं। एनपीपीए ने कंपनियों से 22 सितंबर से नया जीएसटी लागू होने के साथ ही उपभोक्ताओं तक सभी लाभ पहुंचाने के लिए कहा है।

प्राधिकरण ने एक आदेश में कहा, ''जीएसटी दरों में कटौती का लाभ 22 सितंबर, 2025 से उपभोक्ताओं और मरीजों को दिया जाएगा। दवाएं बेचने वाले सभी निर्माता और मार्केटिंग कंपनियां 22 सितंबर से दवाओं (चिकित्सा उपकरणों सहित) के कीमत में संशोधन करेंगी।'' एनपीपीए ने कहा कि निर्माता और मार्केटिंग कंपनियां डीलरों, खुदरा विक्रेताओं, राज्य औषधि नियंत्रकों और सरकार को नई जीएसटी दरों और नई कीमतों को दर्शाते हुए एक नई मूल्य सूची या पूरक मूल्य सूची जारी करेंगी। इसमें कहा गया है कि निर्माता और मार्केटिंग कंपनियां इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट और सोशल मीडिया सहित विभिन्न संचार माध्यमों से जीएसटी दरों में कमी के बारे में जागरूक करने के लिए तत्काल उपाय करेंगी। एनपीपीए ने आगे कहा, "उद्योग संघ 22 सितंबर, 2025 से प्रभावी संशोधित जीएसटी दरों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए डीलरों/खुदरा विक्रेताओं तक पहुंचने के लिए स्थानीय भाषा के समाचार पत्रों सहित प्रमुख राष्ट्रीय समाचार पत्रों में विज्ञापन भी जारी कर सकते हैं।"

5 प्रतिशत वाले स्लैब में आने वाली दवाओं पर नहीं लगेगा जीएसटी

❑ ये स्पष्ट किया जाता है कि अगर निर्माता/मार्केटिंग कंपनियां इन उपायों के माध्यम से खुदरा विक्रेता स्तर पर मूल्य अनुपालन सुनिश्चित कर सकती हैं, तो 22 सितंबर, 2025 से पहले बाजार में जारी किए गए स्टॉक के कंटेनरों या पैक के लेबल पर वापस मंगाना, पुन: लेबल लगाना या पुन: स्टिकर लगाना अनिवार्य नहीं है। बताते चलें कि 56वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में प्रमुख दवाओं पर जीएसटी दरों को 5 प्रतिशत से घटाकर 0 प्रतिशत करने की सिफारिश की है। जिन दवाओं पर पहले 12 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगता था, उन्हें 5 प्रतिशत की दर से जीएसटी में नहीं बदला गया है।

लेट आईटीआर भरने पर जुर्माना कितना है?

नई दिल्ली. इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) फाइल करने की आखिरी तारीख बस 15 सितंबर 2025 है, यानी अब सिर्फ एक दिन बाकी है. अगर आपने अभी तक अपना आईटीआर फाइल नहीं किया है तो जल्दी करें, क्योंकि इस तारीख के बाद रिटर्न फाइल करने पर जुर्माना लग सकता है. सरकार ने सभी टैक्सपेयर्स को साफ चेतावनी दी है कि समय रहते अपना आईटीआर भर लें ताकि बाद में कोई परेशानी न हो. आयकर विभाग ने साफ कर दिया है कि आईटीआर न भरने या समय पर फाइल न करने पर जुर्माना देना पड़ेगा. आयकर कानून की धारा 234F के अनुसार, जो लोग निर्धारित समय सीमा के बाद रिटर्न फाइल करते हैं, उन्हें जुर्माना भरना होगा. पहले यह जुर्माना 10,000 रुपये तक होता था लेकिन इसे घटाकर 5000 रुपये कर दिया गया है. इसलिए देर न करें, वरना यह जुर्माना आपकी बचत पर बोझ बन सकता है. यदि आपने 15 सितंबर 2025 तक अपना आईटीआर फाइल नहीं कर पाते हैं तो भी घबराएं नहीं. आप अस्सेसमेंट ईयर खत्म होने से तीन महीने पहले तक या अस्सेसमेंट ईयर खत्म होने से पहले तक अपना लेट फाइलिंग कर सकते हैं. हालांकि, इस स्थिति में जुर्माना देना अनिवार्य होगा.

मतलब कि आप अपने टैक्स बचाव के लिए अभी भी मौका पा सकते हैं लेकिन इसके लिए कुछ अतिरिक्त रकम जुर्माने के रूप में सरकार को देनी होगी. इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करना न केवल कानून की मांग है, बल्कि इससे आपकी टैक्स प्लानिंग भी अच्छी होती है. समय पर आईटीआर फाइल करने से आप विभिन्न सरकारी लाभों और रिफंड का भी फायदा उठा सकते हैं. इसलिए अगर आपने अभी तक अपना आईटीआर फाइल नहीं किया है तो इसे प्राथमिकता दें. समय रहते काम करने से जुर्माना भी बच जाएगा और टैक्स विभाग की अनावश्यक पूछताछ से भी बचाव होगा.

इस हफ्ते खुलेंगे 5 नए इश्यू!

नई दिल्ली. भारतीय शेयर बाजार में बीते हफ्ते रैली देखने को मिली. मार्केट का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स पूरे हफ्ते में 1.21 फीसदी की तेजी के साथ 982.06 अंक की बढ़त लेते हुए 81,904.70 पर बंद हुआ था. दलाल स्ट्रीट में पूरे सप्ताह रौनक देखने को मिली थी. आने वाला हफ्ता भी मार्केट के लिहाज से अच्छा होने वाला है क्योंकि इस सप्ताह में 5 आईपीओ खुलेंगे और 11 इश्यू मार्केट में लिस्ट होंगे. 15 सितंबर से शुरू हो रहे हफ्ते में निवेशकों के लिए कुल पांच नए आईपीओ मार्केट में दस्तक देंगे.

इनमें दो मेनबोर्ड आईपीओ यूरो प्रतीक और वीएमएस टीएमटी शामिल हैं. वहीं, 3, एसएमई सेगमेंट के आईपीओ मार्केट में ओपन होंगे. एसएमई सेक्टर के इश्यू में टेक डी कीबेरसेकुरित्य, सम्पत एल्युमीनियम और जेडी केबल्स शामिल हैं. इसके अलावा अर्बन सहित 11 कंपनियां दलाल स्ट्रीप पर लिस्ट होंगी. शेयर बाजार में अगले हफ्ते 11 कंपनियों की लिस्टिंग होनी है. इनमें अर्बन कंपनी का आईपीओ भी शामिल है, जिसे निवेशकों ने जमकर खरीदा है. इस आईपीओ में बाजार के इंवेस्टर्स ने काफी पूंजी लगाई है. 15 सितंबर- वशिष्ठ लग्जरी फैशन शेयर बाजार में लिस्ट होगी. 16 सितंबर- नीलांचल कार्बो मेटालिक्स, कृपालु मेटल्स, टौरियन एमपीएस, और कार्बनस्टील इंजीनियरिंग लिस्ट होंगी. 17 सितंबर- श्रृंगार हाउस ऑफ मंगलसूत्र, अर्बन कंपनी, देव एक्सेलेरेटर, जय अंबे सुपरमार्केट्स, और गैलेक्सी मेडिकेयर की लिस्टिंग होगी.

18 सितंबर- एयरफ्लोआ रेल टेक्नोलॉजी का आईपीओ लिस्ट होगा. यूरो प्रतीक सेल्स आईपीओ. यूरो प्रतीक सेल्स एक डेकोरेटिव वॉल पैनल बनाने वाली कंपनी है. इसका आईपीओ 16 सितंबर से लेकर 18 सितंबर बीच ओपन होगा. इसका प्राइस बैंड 235 रुपये से लेकर 247 रुपये के बीच है. लॉट साइज 60 शेयरों का है. यह पूरी तरह ऑफर फॉर सेल (ओएफएस), यानी प्रमोटर्स अपने 451.31 करोड़ रुपये के शेयर बेचेंगे. यह गुजरात की यह कंपनी टीएमटी बार्स (निर्माण में इस्तेमाल होने वाली स्टील बार) बनाती है. इसका आईपीओ 17 सितंबर को ओपन होगा और 19 सितंबर तक निवेशक इसमें पैसा लगा सकेंगे. इसका 150 शेयरों का लॉट है, जिसमें प्रति शेयर प्राइस 94 से 99 रुपये के बीच में है.

संपत एल्युमीनियम आईपीओ- संपत एल्युमीनियम का आईपीओ शेयर बाजार में 17 सितंबर को खुलेगा और 19 को बंद होगा. कंपनी इस आईपीओ के जरिए 30.53 करोड़ रुपये जुटाएगी. साथ ही इसके प्रति शेयर की वैल्यू 114-120 रुपये तय की गई है.आईपीओ 18 सितंबर को ओपन होगा और 22 सितंबर को बंद होगा. इसका इश्यू साइज 95.99 करोड़ रुपये है. साथ ही प्राइस बैंड 144 रुपये लेकर 152 रुपये के बीच में है.

फ्लिपकार्ट को वित्त वर्ष 2024-25 में करोड़ों का नुकसान

नई दिल्ली. अमेरिका की दिग्गज रिटेल कॉर्पोरेशन वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का एकीकृत घाटा वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में बढ़कर 5189 करोड़ रुपये हो गया। कारोबार खूफिया मंच टॉफलर द्वारा प्राप्त आंकड़ों से ये जानकारी मिली है। वित्तीय स्थिति पर टिप्पणी के लिए फ्लिपकार्ट को भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं मिला।

इससे पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में फ्लिपकार्ट इंडिया का घाटा 4248.3 करोड़ रुपये था। कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 में परिचालन से एकीकृत आय में 17.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की, जो वित्त वर्ष 2023-24 के 70,541.9 करोड़

रुपये से बढ़कर 82,787.3 करोड़ रुपये हो गई। टॉफलर से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कंपनी का कुल व्यय 17.4 प्रतिशत बढ़कर 88,121.4 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी की वित्तीय लागत में भी जबरदस्त बढ़ोतरी हुई, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 57 प्रतिशत बढ़कर लगभग 454 करोड़ रुपये हो गई।

बताते चलें कि फ्लिपकार्ट ने इस साल की बिग बिलियन डे सेल की घोषणा कर दी है।

यूएई में करेंसी की पिच पर भारत का बजता है डंका

नई दिल्ली.

यूएई में जिस तरह की क्रिकेट पिच बनाई जाती हैं, वो हमेशा स्पिनर्स के लिए काफी मददगार होती हैं. भारत के स्पिनर्स ऐसी कंडीशंस को भुनाना काफी अच्छी तरह से जानते हैं. ऐसे में एशिया कप 2025 में पाकिस्तान के लिए भारत का सामना करना आसान नहीं होगा. वैसे भारत का डंका सिर्फ क्रिकेट के पिच पर ही नहीं बल्कि 'करेंसी की पिच' पर भी बजता है. यूएई में दोनों देशों की करेंसी की बात करें तो यहां भी भारत ही बाजी मारता हुआ दिखाई दे रहा है.

वैसे तो यूएई में भारत का रुपया भी दिरहम के मुकाबले में कमजोर है. लेकिन पाकिस्तान के रुपए की हालत तो और भी ज्यादा खराब देखने को

मिल रही है. यूएई की करेंसी के सामने पाकिस्तानी रुपए की हालत भारत के रुपए के मुकाबले तीन गुना से ज्यादा खराब देखने को मिल रही है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर यूएई में 'करेंसी की पिच' की पिच पर कौन कितना मजबूत और कितना कमजोर देखने को मिल रहा है.

पाकिस्तान की करेंसी का नाम भी रुपया है. लेकिन इंटरनेशनल करेंसी मार्केट में पाकिस्तानी रुपए की हालत काफी खराब है. वैसे दुनिया के हरेक करेंसी का मजबूती का आकलन डॉलर से किया जाता है. लेकिन भारत और पाकिस्तान की दोनों क्रिकेट टीमें यूएई में मौजूद हैं. ऐसे में दोनों देशों की करेंसी की ताकत का अंदाजा यूएई की करेंसी से कर लिया जाए तो बेहतर रहेगा. पहले बात पाकिस्तानी रुपए की करें तो यूएई में एक दिरहम खरीदने के लिए काफी पाकिस्तानी रुपए खर्च करनें पड़ेंगे. आंकड़ों पर बात करें तो एक दिरहम खरीदने के लिए 76.65 पाकिस्तानी रुपए खर्च करने होंगे. अगर किसी को 10 दिरहम खरीदने हैं तो पाकिस्तानी टूरिस्ट को यूएई में 766.52 पाकिस्तानी खर्च करने पड़ेंगे.

भले ही भारत रुपया यूएई के दिरहम के मुकाबले कमजोर है. लेकिन पाकिस्तानी रुपए के सामने काफी अच्छी स्थिति में दिखाई देता है. अगर कोई भारतीय यूएई में जाता है तो उसे करेंसी एक्सचेंज के तहत एक दिरहम के लिए 24.04 रुपए खर्च करने पड़ेंगे. जबकि 10 दिरहम खरीदने के लिए आपको 240 रुपए से ज्यादा खर्च करने होंगे. अगर कोई 1000 रुपए के दिरहम खरीदना चाहता है तो 41.60 दिरहम मिल जाएंगे. ऐसे में समझा जा सकता है कि पाकिस्तानी करेंसी के मुकाबले में भारत का रुपया यूएई में ज्यादा स्ट्रांग है. वैसे डॉलर के मुकाबले के मुकाबले में भी भारत के रुपए की पाकिस्तानी रुपए के मुकाबले में काफी अच्छी स्थिति है. जहां भारत का रुपया डॉलर के मुकाबले में 88 के लेवल पर कारोबार कर रहा है. वहीं पाकिस्तानी रुपया डॉलर के मुकाबले में 284 का लेवल पर देखने को मिल रहा है.

भारतीय रुपया पाक के कितने रुपए के बराबर?

❑ अगर बात भारत और पाकिस्तानी रुपए की बात करें तो पड़ोसी मुल्क का रुपया काफी कमजोर है. अगर किसी पाकिस्तानी को भारत का एक रुपया लेना हो तो उसे 3.19 रुपए खर्च करने पड़ेंगे. ऐसे में आप अंदाजा लगा सकते हैं कि भारत का रुपया पाकिस्तानी रुपए के मुकाबले में तीन गुना से ज्यादा बेहतर स्थिति में है. वैसे हाल के दिनों में भारत और पाकिस्तानी रुपए की हालत डॉलर के मुकाबले में काफी पतली देखने को मिली है. अमेरिकी ट्रेड टैरिफ की वजह से भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के सामने मौजूदा सामने करीब 4 फीसदी तक टूट चुका है.

रेयर अर्थ पर नियंत्रण से भारत की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली. चीन आज दुनिया में रेयर अर्थ मिनरल्स (यानि दुर्लभ खनिजों) का सबसे बड़ा खिलाड़ी है. ये खनिज मोबाइल, कंप्यूटर, बैटरी, इलेक्ट्रिक गाड़ियाँ और सोलर पैनल जैसी आधुनिक चीज़ों के लिए बेहद जरूरी होते हैं. अब चीन ने इन खनिजों पर और ज्यादा नियंत्रण पाने के लिए म्यांमार के उत्तरी हिस्से में सक्रिय विद्रोहियों से हाथ मिला लिया है. म्यांमार का कचिन इलाका रेयर अर्थ मिनरल्स से भरपूर है. पहले ये इलाका म्यांमार की सरकार के कंट्रोल में था, लेकिन अब वहां कचिन इंडिपेंडेंस आर्मी (किआईऐ) और कचिन इंडिपेंडेंस ऑर्गनाइजेशन (कीआईओ) जैसे विद्रोही संगठन काबिज़ हैं.

इकोनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन ने इन विद्रोही गुटों के साथ चुपचाप समझौते किए हैं. इसके तहत चीन को खनन करने की छूट मिल गई है और बदले में वह विद्रोहियों को मोटी रकम टैक्स के तौर पर देता है. इस तरह चीन म्यांमार के अस्थिर और संवेदनशील इलाके से बड़े पैमाने पर रेयर अर्थ खनिज निकाल रहा है और ये खनिज भारत की सीमा के काफी नजदीक से होकर चीन पहुंचाए जा रहे हैं. साल 2021 में म्यांमार में जब सैन्य तख्तापलट हुआ, तो उसके बाद सिर्फ चार साल में वहां करीब 240 नई खदानें खोली गईं.

हैरानी की बात ये है कि इन खदानों में से दो-तिहाई विद्रोही इलाकों में हैं और यही चीन के लिए जैकपॉट साबित हो रहा है. अब तक चीन म्यांमार से 1,70,000 टन से ज्यादा रेयर अर्थ खनिज आयात कर चुका है. ये खनिज चीन की तकनीक और इंडस्ट्री के लिए बेहद जरूरी हैं. कुछ वक्त पहले कचिन विद्रोही संगठन कीआईओ ने इन खदानों पर कब्ज़ा कर चीन को सप्लाई रोक दी थी. लेकिन ज्यादा दिन तक ये रोक टिक नहीं पाई. जल्द ही चीन समर्थक मिलिशिया ने दोबारा इन खदानों पर कब्जा कर लिया और खनिज की सप्लाई फिर से शुरू हो गई.

सेबी का नया नियम, जियो आईपीओ पर असर!

नई दिल्ली. मार्केट रेगुलेटर सेबी ने अपने नियमों में कुछ बदलाव किए हैं. इससे आईपीओ लाने वाली कंपनियों को बड़ा फायदा मिलेगा. सेबी ने मिनिमम पब्लिक ऑफर (एमपीओ) और मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग (एमपीएस) के नियमों में ढील दी है. इससे रिलायंस जियो और एनएसई जैसी दिग्गज कंपनियां बाजार पर भारी पड़े बिना अपना आईपीओ ला सकती है. इस नए नियम से इन कंपनियों के आईपीओ का साइज आधा हो सकता है. अब तक, 5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा मार्केट वैल्यू वाली कंपनियों को आईपीओ के जरिए अपनी कम से कम 5 परसेंट हिस्सेदारी बेचनी होती थी. ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स ने अनुमान लगाया है कि द्वारा बुल मार्केट में रिलायंस जियो की मार्केट 13.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा होगी. ऐसे में पुराने नियम के हिसाब से 5 परसेंट हिस्सेदारी बेचने की स्थिति में रिलायंस जियो के आईपीओ का साइज 58,000-67,500 करोड़ रुपये होता. एक्सपर्ट्स का मानना है कि यह शेयर बाजार के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है. सेबी के नए प्रस्ताव में जिन कंपनियों की मार्केट वैल्यू 5 लाख करोड़ रुपये से अधिक है उनके लिए अब 5 परसेंट हिस्सेदारी बेचने की आवश्यकता को खत्म कर दिया है. अब नए नियम के तहत इन्हें केवल 2.5 परसेंट ही हिस्सेदारी बेचनी होगी. इसी के साथ जियो के आईपीओ का साइज आधा होकर 30,000 करोड़ रुपये से थोड़ा ज्यादा हो जाएगा. रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा था कि रिलायंस जियो का आईपीओ 2026 की पहली छमाही में लॉन्च हो सकता है. ब्रोकरेज फर्म सिटी ने कहा कि इस बदलाव से न केवल तत्काल आपूर्ति का बोझ कम होगा, बल्कि जियो की मूल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के लिए 'होल्डिंग कंपनी डिस्काउंट' की चिंता भी कम होगी. नए नियम में कंपनियों के लिए 25 परसेंट एमबीपीएस की आवश्यकता को पूरा करने की समय-सीमा भी बढ़ा दी गई है, जिससे उन्हें 10 सालों तक धीरे-धीरे अपनी हिस्सेदारी कम करने की अनुमति मिल गई है. साल 2022 में सेबी ने एलआईसी को बड़ी छूट दी थी.

१- श्रद्धा सबूरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉंटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

डीआरआई ने पकड़े २८ कंटेनर

ऑपरेशन 'डीप मैनिफेस्ट' की बड़ी कामयाबी

मुंबई.

मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह पर राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने 28 कंटेनर जब्त किए हैं, जिनमें 800 मीट्रिक टन पाकिस्तानी मूल के कॉस्मेटिक्स और सूखे खजूर (ड्राई डेट्स) भरे हुए थे. इनकी कीमत लगभग 12 करोड़ रुपये आंकी गई है.

दरअसल, हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमलों के बाद केंद्र सरकार ने 2 मई से पाकिस्तान मूल के माल के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया था. इसके बाद राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने ऑपरेशन डीप मैनिफेस्ट शुरू किया, जिसके तहत पाकिस्तानी माल की जब्ती और कार्रवाई की जा रही है. इसी अभियान के तहत अब 28 कंटेनर जब्त किए गए.

तीन भारतीय आयातकों ने इन प्रतिबंधित सामानों को दुबई के जेबेल अली बंदरगाह के रास्ते यूएई मूल का बताकर भारत में आयात करने की कोशिश की थी. जांच में साफ हुआ कि यह माल पाकिस्तान से आया था. सूखे खजूर के मामले में, एक दुबई-आधारित आपूर्तिकर्ता (भारतीय मूल का) को गिरफ्तार किया गया है. उस पर आरोप है कि उसने पाकिस्तान से खजूर लाकर फर्जी बिलिंग कराई और कमीशन बेसिस पर ट्रांसशिपमेंट की पूरी साजिश रची. उसके जरिए भारत से पाकिस्तान तक वित्तीय लेन-देन का ट्रायल भी छिपाया गया. कॉस्मेटिक्स के मामले में एक कस्टम्स ब्रोकरेज एजेंट को गिरफ्तार किया गया है. उस पर गलत तरीके से मूल देश घोषित कर पाकिस्तानी सामान के भारत में प्रवेश कराने का आरोप है.

डीआरआई ने जुलाई 2025 में ऑपरेशन डीप मैनिफेस्ट की शुरुआत करते हुए पहली बार 39 कंटेनर जब्त किए थे, जिनमें 1,115 मीट्रिक टन का माल (करीब 9 करोड़ रुपये मूल्य का) शामिल था. तब भी एक आयातक को गिरफ्तार किया गया था. इसके बावजूद कुछ व्यापारी प्रतिबंधित नीति को दरकिनार कर शिपिंग दस्तावेजों में हेरफेर कर अवैध आयात की कोशिश कर रहे हैं.

राष्ट्रीय सुरक्षा पर मंडरा रहा खतरा

डीआरआई का कहना है कि ऐसे अवैध आयात सिर्फ आर्थिक ही नहीं बल्कि, राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा हैं. क्योंकि इनके तार दुबई और पाकिस्तान में बैठे पाकिस्तानी नागरिकों और संस्थाओं से जुड़े पाए गए हैं. सरकारी नीतियों, कस्टम्स कानूनों और राष्ट्रीय हित की रक्षा के लिए ऑपरेशन डीप मैनिफेस्ट को डीआरआई ने लगातार जारी रखा है. यह अभियान खुफिया सूचनाओं, लक्षित कार्रवाई और अंतर-एजेंसी सहयोग के जरिए भारत की आर्थिक सीमाओं को सुरक्षित करने की अहम कोशिश है.

250 करोड़ का फ्लाईओवर, 2 महीने में बर्बाद!

डोंबिवली. डोंबिवली पालावा फ्लाईओवर को लेकर इस समय लोगों में गुस्सा और निराशा साफ दिखाई दे रही है. यह फ्लाईओवर बनाने में पूरे 6 साल लगे और करीब 250 करोड़ रुपये खर्च किए गए. इतने लंबे इंतजार और भारी-भरकम खर्च के बाद जब फ्लाईओवर तैयार हुआ तो लोगों को उम्मीद थी कि अब ट्रैफिक की परेशानी कुछ हद तक कम होगी. लेकिन हैरानी की बात यह है कि उद्घाटन के सिर्फ दो महीने बाद ही इसकी हालत खस्ता हो गई है. वीडियो में देखा जा सकता है कि फ्लाईओवर पर दरारें, गड्ढे और निर्माण कार्य की खराब क्वालिटी साफ दिख रही है. लोग अब सवाल उठा रहे हैं कि आखिर इतना पैसा खर्च करने के बाद भी सड़क इतनी जल्दी क्यों टूटने लगी? स्थानीय लोगों का कहना है कि यह फ्लाईओवर भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन का सबसे बड़ा उदाहरण है. 250 करोड़ रुपये खर्च करने के बावजूद यदि ढांचा दो महीने भी ठीक से नहीं टिक पाया तो यह साफ बताता है कि काम में घटिया सामग्री इस्तेमाल की गई होगी. लोग सोशल मीडिया पर भी अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं. उनका कहना है कि यह केवल पैसों की लूट है और इसमें शामिल अधिकारियों, ठेकेदारों और नेताओं पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए. लेकिन अफसोस की बात यह है कि ज्यादातर मामलों की तरह यहां भी शायद कोई जिम्मेदार सजा नहीं पाएगा.

जिल्हाधिकारी तथा जिल्हादंडाधिकारी, यांचे कार्यालय नागपूर

ई-मेल rdc_nagpur@rediffmail.com फोन नं. ०७१२-२५६२६६८

क्र.-अजिदं/गृह शाखा/१४(१)/कावि-३८२/२०२५ दिनांक ११/०९/२०२५

सार्वजनिक नोटीस

संरक्षण कार्य कायतः 1903 च्या कलम 3 द्वारे प्रदान केलेल्या अधिकाराचा वापर करून, भारत सरकारच्या नवी दिल्ली राजपत्रात दिनांक 4 सप्टेंबर 2025 रोजी प्रकाशित झालेल्या अधिसूचनेनुसार, क्रमांक एसआरओ 17 (ई) ज्यामध्ये भारत सरकारने घोषित केले आहे की, अधिसूचनेच्या अनुसूचीमध्ये वर्णन केलेल्या जमिनीच्या वापरावर आणि उपभोगावर, महाराष्ट्र राज्यातील बोथली नागपूर येथील संरक्षण संशोधन आणि विकास प्रयोगशाळेच्या परिसरात असलेली जमीन असल्याने, आधीच अस्तित्वात असलेले निर्बंध लादणे आवश्यक आहे, जेणेकरून सदर जमीन इमारती आणि इतर अडथळ्यांपासून मुक्त ठेवता येईल. सदर अधिसूचनेनुसार, आधीच अस्तित्वात असलेले निर्बंध, भारत सरकारच्या अधिकृत राजपत्रात सदर अधिसूचना प्रकाशित झाल्याच्या तारखेपासून अंमलात येतील.

म्हणून, संरक्षण बांधकाम कायदा, 1903 (1903 चा 7) च्या कलम 3 (2) अंतर्गत मला मिळालेल्या अधिकाराचा वापर करून, मी याद्वारे संरक्षण संशोधन आणि विकास प्रयोगशाळा, बोथली नागपूरच्या बाह्य सीमा भिंतीपासून 100 मीटर अंतराच्या आत सर्व ठिकाणी झाडे लावणे, घरे बांधणे, खड्डे खोदणे आणि इतर कोणत्याही प्रकारचे बांधकाम करण्यास मनाई करतो, जसे की, अधिसूचनेशी जोडलेल्या परिशिष्टात नमूद केले आहे.

वरील नमूद केलेल्या या सार्वजनिक सूचनेनंतर जर सदर जागेवर कोणतेही काम केले गेले तर ते बेकायदेशीर मानले जाईल आणि जर काही असेल तर ते काम/बांधकाम पाडले जाईल आणि संबंधित व्यक्तीवर नियमांनुसार कारवाई केली जाईल.

सदर जागेचा स्केच प्लॅन नकाशा विशेष भूसंपादन अधिकारी (सामान्य) जिल्हाधिकारी कार्यालय, नागपूर यांच्या कार्यालयात तपासता येईल.

जिल्हादंडाधिकारी, नागपूर

प्रतिलीपी :- माहिती तथा उचित कार्यवाहीस्तव.

१. संचालक, डीआरडीएल, संरक्षण मंत्रालय, भारत सरकार कांचनबाग, हैदराबाद यांना सादर केले.
२. मा. पोलीस आयुक्त, नागपूर यांना माहिती करीता सादर."
३. मा. आयुक्त नागपूर महानगर पालीका यांना माहिती करीता सादर.
४. मा. सभापती नागपूर सुधार प्रन्यास / NMRDA यांना माहिती करीता सादर.
५. पोलीस अधिक्षक, नागपूर ग्रामिण यांना माहिती करीता अग्रेषित.
६. इस्टेट मॅनेजर, रिसर्च अँन्ड डेवलपमेंट ऑर्गनायझेशन, इस्टेट मॅनेजमेंट युनिट (R&D) संरक्षण मंत्रालय, भारत सरकार, महानगर पालिका मार्ग, सीव्हील लाईन, नागपूर.
७. भूसंपादन अधिकारी (सामान्य) यांना माहिती करीता अग्रेषित नागपूर.
८. उपविभागीय अधिकारी, नागपूर ग्रामिण यांना माहिती व आवश्यक कार्यवाहीस अग्रेषित.
९. तहसीलदार, नागपुर ग्रामीण को सूचित किया जाए तथा गांव में सूचना देकर संबंधितों को सूचित किया जाए। साथ ही, १०० मीटर क्षेत्र की भूमि से संबंधित सभी भूमि/भूखंड धारकों को दी गई लिखित सूचना का रिकॉर्ड रखना है और बिना देरी के इस कार्यालय को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है.
१०. सूचना के लिए अधीक्षक भूमि अभिलेख, नागपुर को अग्रषित.
११. सूचना के लिए सहायक निदेशक, शहरी नियोजन, नागपुर को अग्रेषित.
१२. आवश्यक कार्रवाई के लिए मंडल अधिकारी, बोथली के माध्यम से तहसीलदार नागपुर (ग्रामीण) को अग्रेषित.
१३. तलाठी बोथली को तुरंत ग्राम पंचायत बोथली के सूचना पट्ट पर उक्त सार्वजनिक सूचना प्रकाशित करना है और इस कार्यालय को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करना है.
१४. जिला सूचना अधिकारी, नागपुर को तुरंत मराठी, हिंदी और अंग्रेजो में दैनिक समाचार पत्रों में उक्त सार्वजनिक सूचना प्रकाशित करनी चाहिए और इस कार्यालय को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करना है ।
१५. राष्ट्रीय सूचना और विज्ञान अधिकारी, कलेक्ट्रेट, नागपुर को आधिकारिक वेबसाइट पर उक्त सार्वजनिक सूचना प्रकाशित करनी चाहिए और इस कार्यालय को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करना है।

जिल्हादंडाधिकारी, नागपूर

क्र. संमावज/नाग/379/ 2025

तंग आकर युवक ने खुद को लगाया करंट, मौत

लातूर. जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है. यहां एक युवक ने जाति प्रमाणपत्र न मिलने की वजह से परेशान होकर आत्महत्या कर ली. मृतक युवक की पहचान शिवाजी वाल्मिक मेल्ले के रूप में की गई है. मृतक युवक 32 साल का था. मामला जिले के निलंगा तालुका के दादगी गांव का बताया जा रहा है. युवक बच्चों के लिए जाति प्रमाणपत्र न मिलने से वह लंबे समय से परेशान था. शिवाजी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था. जाति प्रमाणपत्र न मिलने से शिवाजी के बच्चों की छात्रवृत्ति और शैक्षणिक सुविधाएं बंद हो गई थीं. आर्थिक संकट और मानसिक तनाव से घिरकर उसने शनिवार शाम बिजली का करंट लगाकर अपनी जान दे दी. घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है. सुसाइड नोट में शिवाजी ने लिखा है, "मेरे दो बच्चे हैं, लेकिन जाति प्रमाणपत्र न मिलने से उनकी पढ़ाई रुक रही है. सरकार प्रमाणपत्र नहीं देती, इसलिए मैं यह कदम उठा रहा हूं." एक स्थानीय नागरिक राम कालगे ने बताया कि शिवाजी लंबे समय से परेशान था. उन्होंने कहा, "अगर उसको समय पर जाति प्रमाणपत्र दे दिया जाता तो आज यह स्थिति नहीं आती. महादेव कोली समाज और स्थानीय लोगों का आरोप है कि बीते दो वर्षों से प्रमाणपत्र और वैधता प्रक्रिया को सरल बनाने की मांग की जा रही है.

कंटेनर के ब्रेक फेल, 9 गाड़ियों को कुचला

अहिल्यानगर.

जिले से एक भीषण हादसा सामने आया है, जहां शनिवार देर रात एक कंटेनर का ब्रेक फेल हो गया. इस दौरान कंटेनर ने एक बाद एक करीब 9 गाड़ियों को जोरदार टक्कर मार दी. हादसे में फिलहाल किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं हैं, लेकिन कई गाड़ियों को नुकसान पहुंचा है. घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसे देखकर हर कोई हैरान और परेशान है. अहिल्यानगर जिले के नगरसंभाजीनगर हाईवे पर शनिवार देर रात एक भीषण हादसा हो गया. हरियाणा नंबर का कंटेनर का ब्रेक फेल हो जाने से उसने करीब नौ गाड़ियों को जोरदार टक्कर मार दी. यह घटना रात करीब 11 बजे एसपी ऑफिस के पास हुई. जानकारी के अनुसार, कंटेनर संभाजीनगर से पुणे की ओर जा रहा था, तभी अचानक उसका ब्रेक फेल हो गया. इसके चलते एसपी ऑफिस के पास सड़क किनारे एक होटल के बाहर खड़ी गाड़ियों को उसने टक्कर मार दी. दरअसल, यह गाड़ियों उन लोगों की थी, जो कि खाना खाने के लिए होटल में गए हुए थे. लोग होटल के अंदर थे. इसी के चलते एक बड़ा हादसा टल गया, नहीं तो बड़े पैमाने पर जनहानि हो सकती थी. हालांकि, इस दौरान कई गाड़ियों को भारी नुकसान पहुंचा है. हादसे के बाद का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसे देखकर रोंगटे खड़े हो जा रहे हैं. अचानक हुई इस घटना के कारण हाईवे पर कुछ देर के लिए ट्रैफिक जाम हो गया था.

इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई. मौके पर पहुंची पुलिस ने हाईवे पर लगे जाम को खाली कराया. इसके बाद स्थिति सामान्य हो गई. इस हादसे में किसी भी व्यक्ति को चोट नहीं आई है, लेकिन करीब 9 गाड़ियां बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई हैं. शुरुआती में पता चला कि कंटेनर का ब्रेक फैल हो गया था. इसी के चलते ड्राइवर पर काबू नहीं कर पाया और वह गाड़ियों से टकराता चला गया.

आज का राशिफल

मेष – मेष राशि वालों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आप अपने करियर को लेकर नए से जोश और उत्साह का अनुभव करेंगे।

वृषभ – वृषभ राशि वालों को आज अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है। रिलेशिनशिप में गलतफहमियां पैदा न होने दें।

मिथुन – मिथुन राशि वालों के करियर में कुछ अनिश्चित बदलाव हो सकते हैं। जो आपके लिए कुछ रोमांचक और नए अवसर लेकर आ सकता है।

कर्क– कर्क राशि वालों के लिए आज का दिन अच्छा कहा जा सकता है। जीवन में चली आ रही परेशानियां दूर होंगी। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

सिंह – सिंह राशि वालों के लिए आज का दिन चुनौतियों से भरा रह सकता है। आपके ऊपर अधिक जिम्मेदारियां आ सकती हैं या आप एक नए करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

कन्या – कन्या राशि वालों के दिन अच्छा रहेगा। करियर में तरक्की के कई मौके मिलेंगे। दूसरों के साथ मिलकर काम करने से आप अधिक सफलता हासिल कर सकते हैं।

तुला – तुला राशि वाले आज अधिक मेहनत करेंगे। मेहनत का फल जरूर मिलेगा। आप अपने करियर को लेकर अधिक महत्वाकांक्षी महसूस कर सकते हैं।

वृश्चिक– आपके लिए यह दिन बड़े बदलावों वाला हो सकता है। रिस्क ले सकते हैं। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए साहसिक कदम उठाएं।

धनु – आज का दिन धनु राशि वालों के लिए शुभ रहेगा। प्रोफेशनल लाइफ में सफलता मिलेगी। करियर को आगे बढ़ाने के नए अवसर मिलेंगे।

मकर – मकर राशि वालों के लिए दिन सामान्य रहेगा। कड़ी मेहनत का फल मिलेगा। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। इस समय निवेश न करें।

कुंभ – कुंभ राशि वालों को थोड़ा सावधान रहने की आवश्यकता होगी। कम्युनिकेशन स्किल्स का फायदा उठाएं। अपने विचारों को स्पष्ट और संक्षिप्त रूप से व्यक्त करें।

मीन – आपके जीवन में बड़े बदलाव हो सकते हैं। यह दिन आपके लिए काफी रोमांचक हो सकता है। यह दिन नर्वस करने वाला भी हो सकता है।

ये हमारी भावनाओं से खिलवाड़

पुणे. दुबई में इंडिया-पाकिस्तान के बीच होने वाले एशिया कप के मुकाबले के बहिष्कार की मांग की जा रही है. इस बीच पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले संतोष जगदाले की बेटी असावरी जगदाले ने एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच के बहिष्कार का आह्वान किया है. असावरी जगदाले ने कहा, "मुझे लगता है कि रविवार का मैच नहीं होना चाहिए. पांच महीने पहले ही पहलगाम हमले में 26 लोगों की जान गई थी और इतना कुछ होने के बाद भी अगर बीसीसीआई को लगता है कि उन्हें मैच कराना चाहिए तो यह गलत है. असावरी उस वक्त अपने माता-पिता के साथ बैसरन घाटी में थी जब आतंकवादियों ने उसके पिता और उनके पारिवारिक मित्र कौस्तुभ गणबोटे की गोली मारकर हत्या कर दी. उन्होंने कहा कि मैच की अनुमति देना पीड़ितों के परिवारों की भावनाओं के साथ खिलवाड़ करना होगा. असावरी ने कहा, "मुझे उन लोगों के लिए गहरी शर्म महसूस हो रही है जो खेलने के लिए तैयार हैं, जो खेल का आयोजन कर रहे हैं, और जो इस शाम को जयकारे लगा रहे हैं.

महिला ने एक साथ 4 बच्चों को दिया जन्म

सतारा. एक महिला ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया. 27 साल की महिला ने इससे पहले जुड़वा बच्चों को जन्म दिया था और इस बार उसने चार बच्चों को एक साथ जन्म दिया. वहीं एक बार महिला ने एक बेटी को भी जन्म दिया है. इस तरह महिला अब 7 बच्चों की मां बन गई है. इस मामले को देखकर हर कोई हैरान रह गया. खुद डॉक्टर भी हैरत में पड़ गए. ये मामला सतारा के कोरेगांव तालुका से सामने आया है.

यहां रहने वाली काजल विकास खाकुर्डिया नाम की महिला ने चार बच्चों को एक साथ जन्म दिया. लेबर पेन होने पर महिला को क्रांतिसिंह नाना पाटिल सरकारी जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां काजल की सिजेरियन ऑपरेशन (सी-सेक्शन) के जरिए डिलीवरी की गई. इस दौरान काजल ने चार बच्चों को जन्म दिया. काजल की तीन बेटियां और एक बेटा हुआ. काजल की शुक्रवार को डिलीवरी हुई. अब चारों बच्चे और मां स्वस्थ हैं, लेकिन बच्चों का वजन कम बताया जा रहा है. चारों बच्चों का वजन 1200 से 1600 ग्राम के बीच है. ऐसे में वजन कम होने की वजह से चारों बच्चों को इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में रखा गया है और उनकी देखभाल की जा रही है. काजल एक सामान्य परिवार से ताल्लुक रखती हैं. काजल के पति विकास गुजरात के रहने वाले हैं और पुणे में राजमिस्त्री का करते हैं. तीन बेटियों और एक बेटे के जन्म के बाद काजल और विकास के घर में खुशियों की बहार आ गई. एक साथ चार बच्चों के जन्म से काजल के परिवार वाले काफी खुश हैं.

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञान हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944, 9881272088

CMYK

सुविचार

मन की शांति से बढक़र इस संसार में कोई भी सम्पति नही है।

संपादकीय

शांति की आशा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज मणिपुर जा रहे हैं। उनकी यह यात्रा बहुप्रतीक्षित थी। दो साल से ज्यादा वक्त से यह राज्य अशांत है। छिटपुट हिंसा का दौर अब भी जारी है। पीएम के दौरे और विकास परियोजनाओं के ऐलान से शांति व स्थायित्व बहाल करने में मदद मिल सकती है।

जानमाल का बड़ा नुकसान: मणिपुर का मौजूदा संकट मार्च 2023 में वहां के हाईकोर्ट के उस आदेश से शुरू हुआ था, जिसमें राज्य सरकार से मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने पर जल्द विचार करने को कहा गया था। इसके कुछ दिनों बाद ही कुकी और मैतेई समुदाय के बीच जातीय हिंसा भड़क उठी। इसमें 250 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और हजारों विस्थापितों की तरह रहने को मजबूर हैं।इस संघर्ष ने राज्य की दो प्रमुख जनजातियों के बीच अविश्वास को और गहरा कर दिया है। मामले की जटिलता यह है कि कुकी और मैतेई ही नहीं, कई दूसरी जनजातियां भी हैं, जिनको वार्ता का हिस्सा बनाए बिना आगे नहीं बढ़ा जा सकता। उम्मीद की जा सकती है कि प्रधानमंत्री के जाने से इस दिशा में ठोस पहल होगी। पीएम मोदी राजधानी इंफाल के साथ चुराचांदपुर भी जाएंगे। हिंसा से सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में चुराचांदपुर है। पीएम के दौरे का ऐलान होने के बाद भी यहां से पुलिस और सुरक्षाबलों के साथ कुछ लोगों की झड़प की खबरें आई थीं। इससे जाहिर होता है कि कुछ अराजक तत्व शांति बहाली की कोशिशों को पटरी से उतारना चाहते हैं। मणिपुर का सामाजिक तानाबाना बहुत नाजुक है। यहां पहले भी कुकी-पाइते और मैतेई-पंगल संघर्ष हो चुका है। केंद्र की एक्ट-ईस्ट पॉलिसी का हिस्सा होने और म्यांमार से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा के कारण मणिपुर में ज्यादा संवेदनशीलता व सावधानी बरतने की जरूरत है।

अल्ताफ मीर
पीएचडी, जामिया मिलिया इस्लामिया

'हर भारतीय, चाहे हिंदू हो या मुसलमान, सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण भारतीय है': मौलाना आज़ाद

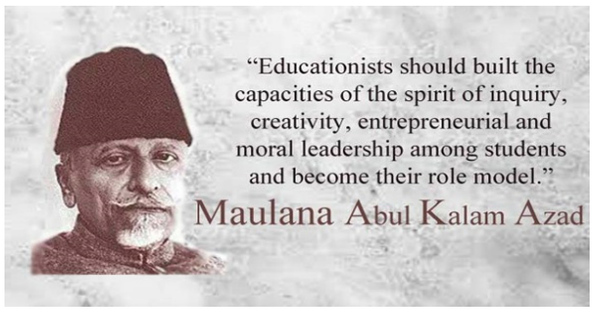

भारतीय पहचान और राष्ट्रवाद से जुड़े गहन विमर्श में, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद के शब्द, विशेष रूप से उनकी प्रभावशाली घोषणा, "हर भारतीय, चाहे हिंदू हो या मुसलमान, सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण भारतीय है" की प्रासंगिकता बरकरार है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर दिया गया यह प्रभावशाली कथन, राजनीतिक बयानबाजी से ऊपर उठकर एक बहुलवादी और सामंजस्यपूर्ण राष्ट्र के मूलभूत सिद्धांत को व्यक्त करता है। स्वतंत्रता आंदोलन के एक प्रमुख नेता और गहन इस्लामी ज्ञान के विद्वान, ने भारत का एक ऐसा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया जहाँ धार्मिक पहचान, महत्वपूर्ण होते हुए भी, साझा भारतीय राष्ट्रवाद के व्यापक ध्वज के अंतर्गत समाहित थी।

उन्होंने उस समय के अलगाववादी आख्यानों, विशेषकर द्वि-राष्ट्र सिद्धांत, का दृढ़ता से खंडन किया, जिसके बारे में उनका मानना था कि यह भारत की समग्र संस्कृति के मूल ढांचे के लिए खतरा है। उन्होंने तर्क दिया कि सदियों के सह-अस्तित्व और साझा अनुभवों ने भारत में हिंदुओं और मुसलमानों के बीच एक अटूट बंधन का निर्माण किया है, जिसने एक साझा भाषा, साहित्य, कला, परंपराओं और यहाँ तक कि दैनिक जीवन को भी आकार दिया है।

उनका मानना था कि यह साझी विरासत ही भारतीय राष्ट्रवाद का सच्चा आधार है, जो संकीर्ण धार्मिक या सांस्कृतिक भेदभावों से कहीं ऊपर है। आज़ाद का हिंदू-मुस्लिम एकता में विश्वास राजनीतिक स्वार्थ का विषय नहीं था, बल्कि इस्लाम की उनकी गहन धार्मिक समझ में गहराई से निहित था। उन्होंने धर्म की सार्वभौमिक भावना (दीन) और कर्मकांडों व सामाजिक कानूनों (शरिया) में उसकी बाहरी अभिव्यक्तियों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर किया। उनके लिए, इस्लाम सहित सभी धर्मों का सार सार्वभौमिक सत्य- एकेश्वरवाद, न्याय, करुणा और धार्मिकता की खोज - में निहित है। उनका मानना था कि ये मूल्य अंतर्धार्मिक सद्भाव की नींव रखते हैं। उन्होंने इस दृष्टिकोण को कुरान में ही मान्यता दी, जहाँ उन्होंने इसकी आयतों की व्याख्या धार्मिक प्रथाओं की स्पष्ट विविधता के पीछे ईश्वरीय उद्देश्य की एकता पर ज़ोर देने के लिए की। इस धार्मिक बहुलवाद ने आज़ाद को एक समावेशी भारतीय पहचान की वकालत करने में सक्षम बनाया जहाँ लोग गर्व से अपनी धार्मिक मान्यताओं को अपना सकें और साथ ही खुद को भारतीय भी मान सकें। उन्होंने इसे भारत के ऐतिहासिक विकास का स्वाभाविक परिणाम माना, जहाँ विविध धार्मिक समुदायों ने एक-दूसरे की संस्कृतियों को समृद्ध किया और एक अद्वितीय समन्वयकारी सभ्यता में योगदान दिया।

उनकी दृष्टि उन लोगों से बिल्कुल अलग थी जो भारतीय राष्ट्रवाद को संकीर्ण धार्मिक दृष्टिकोण से परिभाषित करना चाहते थे, चाहे वह हिंदू हो या मुस्लिम। आज़ादी के बाद भी - और दुखद विभाजन के बाद भी, जिसका उन्होंने कड़ा विरोध किया था - आज़ाद एक अखंड और धर्मनिरपेक्ष भारत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग रहे।

भारत के पहले शिक्षा मंत्री के रूप में, उन्होंने राष्ट्र की शिक्षा नीतियों पर गहरा प्रभाव डाला और प्रगति, बहुलवाद और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई एक आधुनिक प्रणाली की नींव रखी। उन्होंने सार्वभौमिक शिक्षा, समान अवसर और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों का समर्थन किया और एक जागरूक और सहिष्णु नागरिक वर्ग के पोषण में इनके महत्व को पहचाना। उन्होंने भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ-साथ वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति को बढ़ावा देने में शिक्षा की भूमिका पर ज़ोर दिया।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और विभिन्न सांस्कृतिक अकादमियों जैसे संस्थानों की स्थापना ने एक जीवंत और दूरदर्शी राष्ट्र के उनके दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित किया।

आजाद का संदेश आज भी प्रासंगिक है। बढ़ते सांप्रदायिक तनाव और राष्ट्रवाद पर बहस के दौर में, एकता और विविधता के सम्मान का उनका आह्वान एक बहुलवादी समाज के रूप में भारत की ताकत का मार्गदर्शक अनुस्मारक है। उनके विचारों से दोबारा जुड़ने से एक विविध राष्ट्र में पहचान की जटिलताओं से निपटने और भारत के स्वतंत्रता संग्राम की विशेषता वाली एकता और सद्भाव की भावना को फिर से जगाने में मददगार सलाह मिल सकती है। उनकी विरासत इस विश्वास में कायम है कि भारत का भविष्य धर्मनिरपेक्षता, समावेशिता और लोकतंत्र को कायम रखने में निहित है - जहाँ विविधता में एकता केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक जीवंत वास्तविकता है।

चंदन गोस्वामी महाराष्ट्र प्रदेश भाजपा प्रवक्ता

मतदाता होता है लोकतंत्र का असली शिल्पकार

हिंदुस्तान जैसे देश में मतदाता को 'किंगमेकर' कहा जाता है, क्योंकि उनका मत राष्ट्र का वह आईना होता है, जिसके अक्स में अवाम के तमाम सपने साकार रूप ले ते हैं। अवाम की सांसें उल्लास पाती हैं। सबसे बढ़कर राष्ट्र का चरित्र एवं संस्कार साफ-साफ परिलक्षित होता है। संयुक्त राज्य अमेरिका के भूतपूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने प्रजातंत्र की परिभाषा के रूप में कहा था कि यह जनता के लिए, जनता का तथा जनता के द्वारा शासन होता है। भारत सरीखे सुसंस्कृत के साथ-साथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से लबरेज देश में जहां जनता में जनार्दन तथा दरिद्र में नारायण की कल्पना की जाती है, उसके मुतल्लिक आज एक प्रश्न बार-बार खड़ा हो जाता है कि वर्तमान सियासी परिप्रेक्ष्य में जनता किस हद तक जनार्दन के अवतार के समानांतर खड़ी हो पाती है?

सत्ता, सियासत तथा शक्ति के बदलते शतरंजी खेल में मतदाता तथा उनके बेशकीमती मतों की राजनीतिक प्रासंगिकता के बारे में संजीदगी से आत्मावलोकन करने की दरकार है। भारत में चुनावों में औसतन 60 से 65 फीसदी मतदान के आंकड़ों के व्यापक पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रभावों को बड़ी बारीकी से समझने की आवश्यकता है। कहा जाता है कि 'अ बैलट इस मोर पावरफुल देन अबुलेट' तो फिर क्या आज के संदर्भ में हिंदुस्तान सरीखे देश में मतदाता को 'किंगमेकर' कहा जाता है, क्योंकि उनका मत राष्ट्र का वह आईना होता है, जिसके अक्स में अवाम के तमाम सपने साकार रूप लेते हैं। अवाम की सांसें उल्लास पाती हैं। सबसे बढ़कर राष्ट्र का चरित्र एवं संस्कार साफ-साफ परिलक्षित होता है। संयुक्त राज्य अमेरिका के भूतपूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने प्रजातंत्र की परिभाषा के रूप में कहा था कि यह जनता के लिए, जनता का तथा जनता के द्वारा शासन होता है। भारत सरीखे सुसंस्कृत के साथ-साथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से लबरेज देश में जहां जनता में जनार्दन तथा दरिद्र में नारायण की कल्पना की जाती है, उसके मुतल्लिक आज एक प्रश्न बार-बार खड़ा हो जाता है कि वर्तमान सियासी परिप्रेक्ष्य में जनता किस हद तक जनार्दन के अवतार के समानांतर खड़ी हो पाती है? सत्ता, सियासत तथा शक्ति के बदलते शतरंजी खेल में मतदाता तथा उनके बेशकीमती मतों की राजनीतिक प्रासंगिकता के बारे में संजीदगी से आत्मावलोकन करने की दरकार है। भारत में चुनावों में औसतन 60 से 65 फीसदी मतदान के आंकड़ों के व्यापक पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रभावों को बड़ी बारीकी से समझने की आवश्यकता है। कहा जाता है कि 'अ बैलट इस मोर पावरफुल देन अबुलेट' तो फिर क्या आज के संदर्भ में एक बैलट की ताकत बुलेट से अधिक ताकतवर रह गई है? इस देश की महती जिम्मेदारी जिन लोगों की सौंपी गई है, उनकी चुनावी प्रक्रिया से वितृष्णा के भाव में छुपे अदेशों को महसूस करने की आवश्यकता है। हिंदुस्तान की आबादी के इस तथाकथित 'क्रीम' की राजनीति के प्रति तटस्थ मानसिकता का यह दर्शन कि 'कोई भी नृप हो हमें का हानि' के गूढ़ार्थ तथा दीर्घकालिक नतीजों के बारे में आत्मविश्लेषण की दरकार है। कदाचित हिंदुस्तान के ये मिसजीवी तथा बुद्धिजीवी वर्ग यदि अपने मताधिकार के प्रति जागरूक हो जाएं तथा देश की राजनीति को राष्ट्र-निर्माण की अनिवार्य प्रक्रिया मानकर इससे सरोकार रखें, तो देश में युगांतकारी परिवर्तन की संभावना से बिल्कुल इनकार नहीं किया जा सकता है।

वैसे आज वैश्विक राजनीति जिस कदर करवटें ले रही है तथा इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी की क्रांति के परिणामस्वरूप जिस प्रकार सोशल नेटवर्किंग की संस्कृति तेजी से हमारे जीवन तथा जहान में अपने पांव पसार रही है, यह जानकर मन को सुकून मिलता है कि युवा शिक्षित समुदाय राजनीति में पारदर्शिता तथा गुणवत्तापूर्ण तब्दीलियों के माध्यम से एक नए युग की बुनियाद के सपने देख रहा है।

इसके परे आज देश की प्रायः 140 करोड़ आबादी का 24 फीसदी हिस्सा ऐसे लोगों की जमात की नुमाइंदगी करता है, जो कि गरीबी रेखा के नीचे गुजर-बसर करने को अभिशप्त हैं तथा जिनके लिए दुर्भाग्यवश मूलभूत आवश्यकताओं के रूप में दो शाम की रोटी का गुजारा भी विलासिता की श्रेणी में शुमार होता है। आज अपने कलेजे पर हाथ रखकर यह सोचने की जरूरत है कि जिस वोट को शासन की, सत्ता की, भाग्य की तथा राष्ट्र की कुंजी माना जाता है, उस कुंजी में वास्तव में किस हद तक इस 24 प्रतिशत ऐसे बीपीएल परिवारों की रजामंदी शामिल होती है? पेट की समस्या से संघर्ष कर रहे इंसान के लिए क्या जम्हूरिक्त, क्या बोट तथा क्या वोट की राजनीति? सभी के मायने निरर्थक एवं बेअसर हो जाते हैं। लोकतंत्र की सफलता एवं सार्थकता के लिए राष्ट्र के हाशिए पर रहने वाले इन दरिद्रनारायण के जीवन में भाग्य परिवर्तन की नितांत अनिवार्यता है, जिसकी चकाचौंध रोशनी में सराबोर होकर सुख-समृद्धि के से सुबह का आगाज हो, जिसकी कल्पना कभी गांधीजी ने रामराज्य के रूप में की थी।एक बैलट की ताकत बुलेट से अधिक ताकतवर रह गई है? इस देश की महती जिम्मेदारी जिन लोगों की सौंपी गई है, उनकी चुनावी प्रक्रिया से वितृष्णा के भाव में छुपे अदेशों को महसूस करने की आवश्यकता है। हिंदुस्तान की आबादी के इस तथाकथित 'क्रीम' की राजनीति के प्रति तटस्थ मानसिकता का यह दर्शन कि 'कोई भी नृप हो हमें का हानि' के गूढ़ार्थ तथा दीर्घकालिक नतीजों के बारे में आत्मविश्लेषण की दरकार है। कदाचित हिंदुस्तान के ये मिसजीवी तथा बुद्धिजीवी वर्ग यदि अपने मताधिकार के प्रति जागरूक हो जाएं तथा देश की राजनीति को राष्ट्र-निर्माण की अनिवार्य प्रक्रिया मानकर इससे सरोकार रखें, तो देश में युगांतकारी परिवर्तन की संभावना से बिल्कुल इनकार नहीं किया जा सकता है।

1955 के नागरिकता अधिनियम के अनुसार किसी व्यक्ति का कब जन्म हुआ तथा उसके माता-पिता की कानूनी स्थिति क्या थी जैसी बातें भी महत्व रखती है चुनाव आयोग के पास अधिकार होगा कि वह आधार कार्ड की प्रमाणिकता की जांच कर ले आधार सिर्फ पहचान का ही प्रमाण है. वैसे आज वैश्विक राजनीति जिस कदर करवटें ले रही है तथा इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी की क्रांति के परिणामस्वरूप जिस प्रकार सोशल नेटवर्किंग की संस्कृति तेजी से हमारे जीवन तथा जहान में अपने पांव पसार रही है, यह जानकर मन को सुकून मिलता है कि युवा शिक्षित समुदाय राजनीति में पारदर्शिता तथा गुणवत्तापूर्ण तब्दीलियों के माध्यम से एक नए युग की बुनियाद के सपने देख रहा है। इसके परे आज देश की प्रायः 140 करोड़ आबादी का 24 फीसदी हिस्सा ऐसे लोगों की जमात की नुमाइंदगी करता है, जो कि गरीबी रेखा के नीचे गुजर-बसर करने को अभिशप्त हैं तथा जिनके लिए दुर्भाग्यवश मूलभूत आवश्यकताओं के रूप में दो शाम की रोटी का गुजारा भी विलासिता की श्रेणी में शुमार होता है। आज अपने कलेजे पर हाथ रखकर यह सोचने की जरूरत है कि जिस वोट को शासन की, सत्ता की, भाग्य की तथा राष्ट्र की कुंजी माना जाता है, उस कुंजी में वास्तव में किस हद तक इस 24 प्रतिशत ऐसे बीपीएल परिवारों की रजामंदी शामिल होती है? पेट की समस्या से संघर्ष कर रहे इंसान के लिए क्या जम्हूरिक्त, क्या बोट तथा क्या वोट की राजनीति? सभी के मायने निरर्थक एवं बेअसर हो जाते हैं।

लोकतंत्र की सफलता एवं सार्थकता के लिए राष्ट्र के हाशिए पर रहने वाले इन दरिद्रनारायण के जीवन में भाग्यपरिवर्तन की नितांत अनिवार्यता है, जिसकी चकाचौंध रोशनी में सराबोर होकर सुख-समृद्धि के से सुबह का आगाज हो, जिसकी कल्पना कभी गांधीजी ने रामराज्य के रूप में की थी।आज वही देश की सबसे पुरानी पार्टी कहे जाने वाली कांग्रेस व विपक्ष के नेता का यह कहना कि भारत मे वोटो की चोरी हो रही है या यूं कहें विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र चोरी से बना है यह शर्मनाक बात है जिसे देश की जनता अपने मत से निर्णायक निर्णय लेकर लोकतंत्र को मजबूत बनाती है उस मतदाता के साथ सही न्याय नही होगा।

आस्था

पितरों के लिए मोक्ष का द्वार

उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में स्थित हत्या हरण तीर्थ, पितृपक्ष के दौरान लोक और परलोक के बीच की दूरी को समाप्त कर देता है. यह पवित्र स्थल अनादि काल से पितरों के ऋण से मुक्ति, भटकती आत्माओं की शांति और मोक्ष के लिए जाना जाता है. रामायण और महाभारत काल से चली आ रही परंपराएं इस स्थान को और भी महत्वपूर्ण बनाती हैं. यह तीर्थ स्थल हरदोई जिले के बेनीगंज क्षेत्र में स्थित है. कहा जाता है कि यह स्थान पृथ्वी के मध्य भाग में पड़ता है. मान्यता है कि पितृपक्ष के दौरान यह स्थल लोक और परलोक के बीच की दूरी को मिटा देता है. यहां किए गए कर्मकांड और पूजा-अर्चना सीधे पितरों तक पहुंचती है. यही कारण है कि पितृपक्ष में यहां श्रद्धालुओं का जमावड़ा लगता है. शिव पुराण के मुताबिक, माता पार्वती की प्यास बुझाने के लिए भगवान शिव ने सूर्य देवता से प्राप्त जल को यहां गिराकर एक कुंड का निर्माण किया था. इसी कुंड से देवी पार्वती ने जलपान किया था। महाभारत युद्ध के बाद, पांडवों ने अपने पारिवारिक जनों की हत्या के पश्चात् यहीं पर पितरों का तर्पण किया था. माना जाता है कि इस स्थान पर श्राद्ध और तर्पण करने से अतृप्त आत्माओं को शांति और मोक्ष मिलता है.इसी तरह, भगवान श्री राम ने भी अयोध्या लौटते समय ब्रह्महत्या के पाप से मुक्ति पाने के लिए इस कुंड में स्नान किया था, जिसके बाद से यह स्थान मोक्ष प्रदान करने वाले तीर्थ के रूप में प्रसिद्ध हो गया।

कहानी

डॉ. विभाषा मिश्र

वह सभ्य इंसान

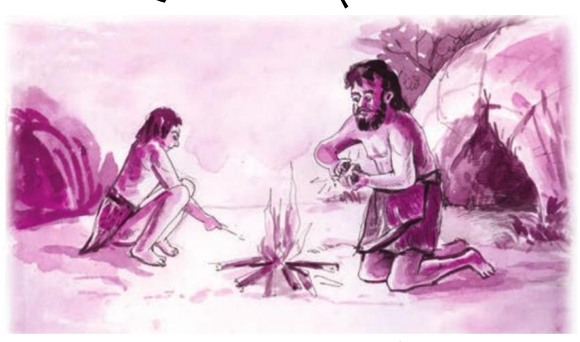

सामने से अचानक एक बड़ी गाड़ी आकर रुकती है। गाड़ी से उतरकर एक सभ्य इंसान जब पूछते हैं कि बेटा तुमने इतनी छोटी - सी उम्र में इतना बड़ा काम कैसे हाथ में ले लिया। तो वह सकुचाते हुए कहती है। क्या करू साहब कभी मैं भी रोज़ स्कूल जाया करती थी। घर की परिस्थिति ही ऐसी है कि न चाहते हुए भी मुझे यह काम करना पड़ रहा है। पीछे जो बैठा है वह मेरा छोटा भाई है। मैं ही घर में बड़ी हु। मेरे पिताजी यह काम किया करते थे। मग़र कुछ महीनों पहले ही वे लकवाग्रस्त हो गए हैं। अब ऐसी स्थिति में मां को ही उनकी देखरेख के लिए रहना पड़ता है। छोटे भाई,मां और पिताजी इन सबकी ज़िम्मेदारी अब मेरे ही ऊपर है। मुझे यह काम बुरा नहीं लगता मग़र यह ज़रुर महसूस करती हु कि न चाहकर भी मैं बंध गई हु। अगर यह काम न करूं तो हमारा जीवन कैसे गुज़रेगा। सभ्य इंसान ने पूछा-क्या! तुम इसके अलावा कुछ और काम करना जानती हो? जवाब में सोनू ने कहा-जी साहब मुझे कशीदाकारी बहुत अच्छे से आती है। मुझे यह करना भी बहुत पसंद है। सभ्य इंसान सोनू की तरफ़ प्यार भरी नज़रों से देखते हुए कहते हैं कि बेटा अगर मैं तुम्हें कशीदाकारी का सारा सामान लाकर दे दू तो क्या तुम मेरी कम्पनी के लिए यह काम करोगी। काम ख़त्म करने के बाद तुम पढ़ने स्कूल भी चली जाना। सोनू को ऐसा लगा मानो कोई चमत्कार हो गया हो। सोनू को एक बार फिर अपनी एक छोटी -सी दुनिया दिखाई देने लगी,जिसमें रंग-बिरंगी क़िताबें हैं और वह ख़ूब मन लगाकर पढ़ रही है। उसने फ़ौरन हामी भर दी। सोनू को उसका मनचाहा काम और जीवन जीने के लिए आर्थिक रूप से मज़बूती मिल गई। घर में जब तक रहती वह कशीदाकारी का काम करती,उसके बाद वह स्कूल जाती। धीरे-धीरे समय बीतता चला गया,और वही सोनू अब बड़ी होकर डॉक्टर बन गई।

वास्तुशास्त्र

वास्तु-दोष बढ़ा सकते हैं ये पौधे, जानें कौन से हैं

घर का मुख्य द्वार केवल आने-जाने का रास्ता नहीं होता, बल्कि यह सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश द्वार भी माना जाता है. वास्तु शास्त्र के अनुसार, मुख्य दरवाजे के पास रखे पौधे घर के वातावरण और उसमें रहने वालों के जीवन पर गहरा प्रभाव डालते हैं. सही पौधे घर में सुख-शांति, समृद्धि और सकारात्मकता लाते हैं, जबकि गलत पौधे तनाव, कलह और नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ा सकते हैं. आइए जानते हैं किन पौधों को मुख्य द्वार पर रखने से बचना चाहिए. आइए जानते हैं ऐसे कौन से पौधे हैं जिन्हें आपको भूलकर भी मेन डोर पर नहीं रखना चाहिए. कैक्टस और अन्य कांटेदार पौधे आजकल देखने में बहुत ट्रेंडी लगते हैं, लेकिन वास्तु के अनुसार इन्हें घर के मुख्य दरवाजे पर रखना बिल्कुल भी शुभ नहीं माना जाता. इनके नुकीले कांटे घर में आने वाली सकारात्मक ऊर्जा को बाधित करते हैं. यह रिश्तों में तनाव, मनमुटाव और मानसिक बेचैनी का कारण बन सकते हैं. इनसे घर में अनबन और कलह का माहौल बन सकता है. घर के मुख्य दरवाजे के पास सूखे या मरे हुए पौधे रखना बेहद अशुभ माना जाता है. ये मृत ऊर्जा का प्रतीक होते हैं, जो घर में उदासी और नकारात्मकता लाते हैं. यह घर के सदस्यों के जीवन में रुकावट और प्रगति में बाधा पैदा कर सकते हैं. हमेशा ध्यान रखें कि आपके घर के पास लगे सभी पौधे हरे-भरे और ताजे हों. यदि कोई पौधा सूख जाता है, तो उसे तुरंत हटा दें.

लोककथा

बुलबुलों की गवाही

डॉ.उमेश चमोला

सुरेन्द्र और नरेन्द्र किसी गांव में साथ रहते थे। सुरेन्द्र दुष्ट था। वह नरेन्द्र से जलता था किन्तु उससे दोस्ती का दिखावा करता था। एक दिन सुरेन्द्र ने नरेन्द्र से कहा- 'दोस्त सुना है आजकल रुई का व्यापार करने में बहुत पैसा है। चलें रुई का व्यापार करने शहर की ओर ।'नरेन्द्र तैयार हो गया। उन दोनों ने अपने माता-पिता को भी यह बात बता दी। वे भी उनको रूई के व्यापार के लिए शहर भेजने को राजी हो गए।वे शहर चले गए। उनका रूई का व्यापार अच्छा चला नरेन्द्र का व्यापार इतना अच्छा चला कि सुरेन्द्र को ईर्ष्या होने लगी। एक दिन सुरेन्द्र ने नरेन्द्र से कहा- 'अब हमने बहुत धन कमा लिया। अब हमें अपने गांव वापस लौटना चाहिए।' नरेन्द्र गांव वापस लौटने को तैयार हो गया। वे दोनों गांव लौट रहे थे। सुनसान रास्ता था। तभी बारीश होने लगी जमीन में पानी के बुलबुले उठने लगे। सुरेन्द्र के मन में पाप आ गया। वह सोचने लगा- 'नरेन्द्र ने बहुत सारा पैसा कमाया है। मैंने बहुत कम कमाया है। अगर मैं यहीं रास्ते में नरेन्द्र को मार दूं तो सारा माल और पैसा मेरा हो जाएगा।' वह नरेन्द्र का गला दबाने को तैयार हो गया। नरेन्द्र फूट पड़ा- 'देख, सुरेन्द्र! तू यह अच्छा नहीं कर रहा है। बुरे काम का बुरा परिणाम होता है। मैं मर जाऊंगा तो तू भी नहीं बचेगा राजा तुझे मृत्युदण्ड देगा।' 'इस सुनसान जंगल में राजा के पास कौन तेरी गवाही देगा?' सुरेन्द्र बोला। 'देख! इस समय बारिश हो रही है जमीन में पानी के बुलबुले उठ रहे हैं। ये सब राजा के सामने मेरी गवाही देंगे।'

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्पररी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सांस (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप ,चित्रकहरीतकी, वासावलेह , स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल ,तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप ,एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा ,श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

पॅनल्स ऑफ डॉक्टर्स

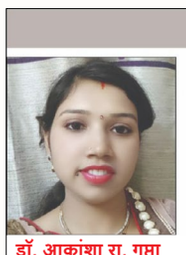
डॉ. आकांशा रा. गुप्ता
B.A.M.S, MD, (A.M) C.C.H, C.G.O, C.V.D

डॉ. पारुल मोहित गुप्ता
B.A.M.S, PG-DEMS NDDY, CCNY, CCHC

डॉ. रचना मयूर गुप्ता
B.A.M.S, MD,

डॉ.अतुल तेलरांदे
B.A.M.S, MD, M.I.S.R (Mum), C.C.H, C.G.O, C.S.D, C.V.D

डॉ. विनोद तिवारी
बी.ए.एम.एस, पी.ओ.डी.

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080.

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक: फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादक: इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, सोमवार, 15 सितंबर 2025

जिला चंद्रपुर-गढ़चिरोली

दुर्घटना पीड़ितों की तत्काल सहायता के लिए विधायक मुनगंटीवार ने दिखाई तत्परता

भद्रावती, मनोज गोरे

> काफिले को रोककर घायलों को अस्पताल ले जाने की व्यवस्था की

पूर्व वन, सांस्कृतिक एवं मत्स्य पालन राज्य मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने एक बार फिर संवेदनशीलता दिखाई। एक सार्वजनिक समारोह में जाते समय उन्होंने एक दुर्घटना देखी तो उन्होंने तुरंत अपना काफिला रुकवाया और घायलों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराने की व्यवस्था की। उसके बाद ही वे अपनी अगली यात्रा पर निकले। 'जनता की सेवा ही ईश्वर की सेवा है' में विश्वास रखने वाले मुनगंटीवार एक बार फिर चर्चा का विषय बने.

विधायक सुधीर मुनगंटीवार अपने जीवन का हर पल जनता को समर्पित करते हैं, यह बात भद्रावती में हुए हादसे से एक बार फिर स्पष्ट हुई। जब वे नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में जा रहे थे, तभी भद्रावती में एक अज्ञात चार पहिया वाहन ने दोपहिया वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में दोपहिया वाहन पर सवार प्रदीप डोके (बल्लारपुर) और घनश्याम मेश्राम (निवासी विसापुर) दोनों घायल हो गए। उसी समय विधायक सुधीर मुनगंटीवार का काफिला उसी रास्ते से गुजर रहा था। दुर्घटना के शिकार लोगों की गंभीर हालत देखकर, एक क्षण भी देर न करते हुए, विधायक मुनगंटीवार ने 'मानव जीवन की रक्षा ही सर्वोच्च कर्तव्य है' की भावना से तुरंत अपना काफिला रुकवाया। उन्होंने स्वयं पहल करते हुए घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए निकटतम अस्पताल में भर्ती कराने की व्यवस्था की। उनकी इस त्वरित पहल से दुर्घटना के शिकार लोगों की जान बच गई। इस समय, भाजपा जिला अध्यक्ष हरीश शर्मा और महामंत्री डॉ. मंगेश गुलवाडे ने भी तत्परता से घायलों को सड़क के किनारे सुरक्षित स्थान पर पहुँचाने में मदद की।

विधायक सुधीर मुनगंटीवार का कार्य केवल राजनीति तक ही सीमित नहीं है, वे सामाजिक कार्यों में भी सदैव अग्रणी रहते हैं। उन्होंने स्वास्थ्य शिविर, निःशुल्क शल्य चिकित्सा शिविर, विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक गतिविधियाँ, ज़रूरतमंदों की सहायता, ग्रामीण विकास के लिए निरंतर प्रयास जैसे अनेक प्रयासों के माध्यम से जनसेवा को एक नई दिशा दी है। यही कारण है कि "जनसेवा ही ईश्वर सेवा है" का उनका आजीवन आदर्श वाक्य आज भी लोगों के दिलों को छूता है। विधायक सुधीर मुनगंटीवार एक संवेदनशील नेता हैं जो जनता के सुख-दुख में सदैव तत्पर रहते हैं, जो संकट के समय में मदद का हाथ बढ़ाते हैं, जो इस अवसर पर एक बार फिर सिद्ध हुआ।

मूल तंत्रनिकेतन कॉलेज से पोंभुरना, सावली, सिंदेवाही और चंद्रपुर जिले के छात्रों को होगा लाभ

> कॉलेज छात्रों को आधुनिक शिक्षा की धारा से परिचित कराएगा

> विधायक मुनगंटीवार ने तंत्रनिकेतन कॉलेज के संबंध में अतिरिक्त मुख्य सचिव के साथ विस्तृत चर्चा की

चंद्रपुर, सुनील तायडे

जिले के शैक्षणिक विकास को नया आयाम देने के लिए मूल में सरकारी तकनीकी महाविद्यालय शुरू करने का प्रस्ताव अब मंत्रिमंडल की बैठक में पेश किया जाएगा। पूर्व वन, सांस्कृतिक मामले और मत्स्य पालन राज्य मंत्री तथा विधायक सुधीर मुनगंटीवार का लगातार प्रयास सफल रहा है। सुधीर मुनगंटीवार ने विश्वास व्यक्त किया कि यह महाविद्यालय आदिवासी बहुल जिले के विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा की धारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस संबंध में आज मंत्रालय में तकनीकी शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव वेणुगोपाल रेड्डी के साथ बैठक के दौरान मूल स्थित तकनीकी महाविद्यालय के संबंध में सकारात्मक एवं विस्तृत चर्चा हुई।

मुनगंटीवार ने निर्देश दिये : चंद्रपुर जिले के पालकमंत्री रहते हुए, विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने मूल में सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज शुरू करने की पहल की थी। चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने के लिए, उन्होंने तकनीकी शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक बुलाई थी। इसके बाद, उन्होंने मूल में सरकारी तकनीकी कॉलेज शुरू करने के लिए तुरंत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए थे।

युवाओं के लिए रोजगार के अनेक अवसर : चंद्रपुर जिले में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए आयोजित 'एडवांटेज चंद्रपुर' सम्मेलन में 75,000 करोड़ रुपये के निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। आर्सेलर मित्तल और लॉयड स्टील जैसी प्रतिष्ठित कंपनियाँ मूल में उद्योग स्थापित करने की पहल कर रही हैं और जल्द ही वास्तविक कार्य शुरू हो जाएगा। चूँकि इन उद्योगों के लिए लगभग 25,000 कुशल जनशक्ति की आवश्यकता होगी, इसलिए उल्लेखनीय है कि विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने छात्रों को तकनीकी शिक्षा से सशक्त बनाने के लिए मूल में एक सरकारी तकनीकी महाविद्यालय शुरू करने की पहल की है।

इन छात्रों को मिलेगा लाभ : इस पहल से मूल, पोंभुर्णा, सावली, सिंदेवाही और चंद्रपुर जिलों के विद्यार्थियों को लाभ होगा। मूल में सरकारी कृषि महाविद्यालय पहले ही शुरू हो चुका है, जो शहर के शैक्षिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यदि सरकारी पॉलिटेक्निक शुरू हो जाता है, तो मूल शिक्षा का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन जाएगा.

रेकी कर रहे नक्सली को पुलिस ने पकड़ा

गढ़चिरोली.

ताडगांव जंगल क्षेत्र में पुलिस ने घात लगाकर हमला करने की योजना बना रहे एक कुख्यात नक्सली को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए नक्सली का नाम शंकर भीमा महाका (उम्र 32 वर्ष, निवासी परायनार, तहसील भामरागढ़) है, जो भामरागढ़ दलम का सक्रिय सदस्य है। वह कई गंभीर वारदातों – हत्या, आगजनी और बारूदी सुरंग विस्फोट – में शामिल रहा है। महाराष्ट्र सरकार ने उसकी गिरफ्तारी पर दो लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस के अनुसार, 13 सितंबर 2025 को भामरागढ़ उपविभाग के तिरकामेटा जंगल क्षेत्र में विशेष अभियान की गश्त के दौरान वह संदिग्ध रूप से घूमता मिला। पकड़े जाने के बाद पूछताछ में सामने आया कि वह पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज एक वांछित नक्सली है। शंकर महाका पर हत्या और आगजनी सहित कुल चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2022 में उसने धोडराज–ईरपनार मार्ग पर सड़क निर्माण कार्य में लगी 19 गाड़ियों को आग के हवाले करने में भाग लिया था, जबकि 2023 में मौजा पेनगुंडा गांव के एक निर्दोष व्यक्ति की हत्या में उसका सीधा हाथ था। 2016 से 2021 तक वह नक्सली संगठन में जनमिलिशिया सदस्य रहा, और 2021 से भामरागढ़ दलम में शामिल होकर सक्रिय रूप से पुलिस की गतिविधियों पर नज़र रखने व हिंसक वारदातों में शामिल होने लगा। पुलिस ने उसे लाहेरी थाने में दर्ज मामलों के आधार पर गिरफ्तार किया है। इस पूरी कार्रवाई का नेतृत्व विशेष पुलिस महानिरीक्षक संदीप पाटिल और पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने किया। पुलिस ने इस मौके पर नक्सलियों से हिंसक रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण कर सम्मानजनक जीवन जीने की अपील की है।

गढ़चिरोली पुलिस दल द्वारा 'एक गांव, एक पुस्तकालय' पहल के अंतर्गत 72वां सार्वजनिक पुस्तकालय उद्घाटन

गढ़चिरोली.

पोस्टे मन्नेराजाराम क्षेत्र के अति दुर्गम गाँव जिजगांव में पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल के हाथों 72वें सार्वजनिक पुस्तकालय का उद्घाटन किया गया गढ़चिरोली जिले के दुर्गम इलाकों के विद्यार्थी, शिक्षित बेरोज़गार, महिला-पुरुषों को मुख्यधारा से जोड़ना, उन्हें शिक्षा व बौद्धिक विकास का अवसर देना तथा छात्रों में पढ़ने की आदत और प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति रुचि बढ़ाना—इन्हीं उद्देश्यों से पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल की संकल्पना से "एक गाँव, एक पुस्तकालय" योजना शुरू की गई। इसी के अंतर्गत भामरागढ़ उपविभाग के जिजगांव गाँव में 72वाँ सार्वजनिक पुस्तकालय स्थापित किया गया।

13 सितम्बर 2025 को पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल के हाथों इस पुस्तकालय का लोकार्पण हुआ। इसकी स्थापना में गढ़चिरोली पुलिस दल, सीआरपीएफ, एसआरपीएफ के अधिकारी-कर्मचारी तथा गाँव के नागरिकों ने श्रमदान और जनसहयोग से योगदान दिया।

इस कार्यक्रम में 500 से अधिक नागरिक मौजूद थे। शुरुआत में ग्रंथ-डिंडी (पुस्तक रैली) का आयोजन हुआ जिसमें विद्यार्थियों और नागरिकों ने पारंपरिक वेशभूषा पहनकर, वाद्य बजाकर और राष्ट्रध्वज लहराते हुए उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस रैली का उद्देश्य गाँव में पढ़ाई और पुस्तकों के प्रति जागरूकता फैलाना था।

नए पुस्तकालय में स्वतंत्र अध्ययन कक्ष, टेबल-कुर्सियाँ, पुस्तकों की अलमारियाँ और अन्य आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं। इससे सैकड़ों विद्यार्थियों और नागरिकों को लाभ मिलेगा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में युवाओं की भागीदारी बढ़ेगी।

2023 से शुरू इस पहल के तहत अब तक 71 पुस्तकालय स्थापित किए जा चुके हैं। इनका लाभ 8,000 से अधिक युवाओं और नागरिकों ने लिया है, जिनमें से 205 विद्यार्थी सरकारी विभागों में चयनित हो चुके हैं। इस तरह के जनहितकारी प्रयासों से पिछले तीन सालों में गढ़चिरोली जिले से किसी भी युवक-युवती की माओवादी संगठनों में भर्ती नहीं हुई है।

इस अवसर पर मार्गदर्शन करते हुए पुलिस अधीक्षक नीलोत्पल ने कहा— "नागरिक और विद्यार्थी इस पुस्तकालय का अधिक से अधिक उपयोग करें। यहाँ से कई छात्र प्रशासनिक सेवा में जाएँ, यही हमारा उद्देश्य है। गढ़चिरोली पुलिस दल केवल माओवाद के खिलाफ लड़ाई ही नहीं लड़ रहा, बल्कि जिले के सर्वांगीण विकास के लिए भी प्रतिबद्ध है।"

कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) एम. रमेश, अपर पुलिस अधीक्षक अहेरी सत्य साई कार्तिक, सीआरपीएफ के असिस्टेंट कमांडेंट अमित सिन्हा, पोस्टे मन्नेराजाराम के प्रभारी अधिकारी शुभम शिंदे, एसआरपीएफ ग्रुप 4 नागपुर के पो.उ.नि. प्रशांत नरखेडे, स्थानीय सरपंच, पुलिस पटेल, पत्रकार, विद्यार्थी और नागरिक उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार के आरोप में सरपंच की गई कुर्सी

चंद्रपुर, शुभम बारसागडे

> प्रियंका थमके ने आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी जानकारी

चिमूर तहसील के वाहनगांव में मनमानी करने वाले सरपंच को आखिरकार अपने पद से हटना पड़ा। सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोप में सरपंच प्रशांत कोल्हे को उनके पद से बर्खास्त कर दिया गया है। प्रियंका ठमके ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह सब एक महिला के साहस के कारण सामने आया।

उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि सरपंच चुने जाने के बाद कोल्हे ने गाँव पर अपना दबदबा बनाना शुरू कर दिया। वह बिना किसी नियम-कानून का पालन किए मनमानी करने लगे। वह गाँव के लोगों में तनाव का माहौल पैदा कर रहे थे। इसी बीच, गाँव की एक महिला मंगला गौरकर की मृत्यु के बाद, सरपंच ने एक गैरकानूनी काम किया। उन्होंने मृतक महिला के असली उत्तराधिकारियों की अनदेखी करते हुए मौजा खरसंगी की एक अन्य महिला को उत्तराधिकार प्रमाण पत्र दे दिया। दरअसल, सरपंचों को ऐसा प्रमाण पत्र देने का अधिकार ही नहीं है। ठमके ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरपंच पर अपने पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

इस संबंध में औरंगाबाद खंडपीठ और अन्य न्यायालयों से आदेश मिलने के बाद, सरपंच के इस अवैध कृत्य को उजागर करने का निर्णय लेते हुए, नागपुर संभागीय आयुक्त के समक्ष शिकायत दर्ज की गई। इस शिकायत के परिणामस्वरूप, ग्राम पंचायत की गतिविधियों की जाँच की गई। इस जाँच को पूरा होने में दो वर्ष लगे। जाँच के दौरान, पंचायत समिति ने जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को एक रिपोर्ट भेजी जिसमें बताया गया कि ग्राम पंचायत के कोष में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए, सीईओ ने सरपंच प्रशांत कोल्हे को पद के लिए अयोग्य घोषित करने की सिफारिश की। नागपुर संभागीय आयुक्त ने भी इस निर्णय की पुष्टि की और प्रियंका ठमके ने बताया कि सरपंच कोल्हे को उनके पद से बर्खास्त कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि पद से बर्खास्त होने के बाद, सरपंच कोल्हे सरकार पर आरोप लगा रहे हैं। प्रिया ठमके ने सरपंच पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी के केबिन में झूठ बोलने का आरोप लगाया है।

'अगर सरपंच ने उत्तराधिकार प्रमाण पत्र नहीं दिया, तो सरपंच कोल्हे के हस्ताक्षर और मुहर वाला प्रमाण पत्र दूसरी महिला के पास कैसे पहुँचा?' ठमके ने इस समय यह सवाल उठाया। इसका मतलब है कि ठमके ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरपंच कोल्हे पर सरकार को गुमराह करने का आरोप लगाया।

राष्ट्रीय लोक अदालत में 531 मामले निपटाए

गढ़चिरोली.

₹ 1.66 करोड़ की वसूली

गढ़चिरोली जिले में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 531 मामलों का निपटारा किया गया। इसमें 323 लंबित मामले और 208 पूर्व-लंबित मामले आपसी समझौते से निपटाए गए। इस प्रक्रिया के माध्यम से ₹ करोड़ 66 लाख 37 हजार 452 की क्षतिपूर्ति राशि वसूल की गई। साथ ही 263 मामूली आपराधिक प्रकरण अपराध कबूल करने के आधार पर समाप्त किए गए।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के आदेश, माननीय मुंबई उच्च न्यायालय के निर्देश और महाराष्ट्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, मुंबई के मार्गदर्शन में, 13 सितम्बर 2025 को गढ़चिरोली जिला न्यायालय एवं सभी तालुका न्यायालयों में इस वर्ष की तीसरी राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस लोक अदालत में समझौते योग्य आपराधिक प्रकरण, चेक बाउंस मामले (धारा 138, एन.आई. एक्ट), पारिवारिक विवाद, मोटर वाहन दुर्घटना दावा मामले, दीवानी प्रकरण, बैंक व पतसंस्थाओं के लंबित ऋण प्रकरण, महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी के बकाया बिजली बिल प्रकरण, वित्तीय कंपनियों के ऋण प्रकरण तथा पूर्व-लंबित विवादों का निपटारा किया गया। इसके लिए जिले में कुल 9 पैनल गठित किए गए थे।

जिला न्यायालय, गढ़चिरोली के पैनल क्रमांक 2 में एक वैवाहिक विवाद मामले में पति-पत्नी के बीच समझौता हुआ और पत्नी पति के साथ रहने के लिए राज़ी हो गई। इस विशेष अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश विनायक जोशी ने दंपत्ति का सत्कार किया। लोक अदालत में पैनल क्रमांक 1 पर तदर्थ जिला न्यायाधीश-1 एवं अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश व्ही. एस. खोत, तथा पैनल क्रमांक 2 पर दीवानी न्यायाधीश (वरिष्ठ स्तर) माननीय एस. पी. सदाफळे ने कार्यभार संभाला। अपराध कबूल प्रकरणों के निपटारे के लिए जिला न्यायालय, गडचिरोली में विशेष न्यायालय की व्यवस्था की गई थी, जिसमें मुख्य न्यायदंडाधिकारी एस. बी. विजयकर ने कामकाज किया। पैनल सदस्य के रूप में सौ. सुरेखा बारसागड़े (विधिक स्वयंसेविका) और बालाजी बावने (विधिक स्वयंसेवक) ने कार्य किया। लोक अदालत के सफल आयोजन में जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एड. किशोर आखाड़े, वरिष्ठ अधिवक्ता वर्ग, समस्त अधिवक्ता, न्यायालयीन कर्मचारी तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी व कर्मचारी का विशेष सहयोग रहा।

करण-कार्तिक की नई जोड़ी से आलिया को झटका

2025 के बचे हुए महीनों में कई बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं. जिसमें रणवीर सिंह, शाहिद कपूर, बॉबी देओल और आलिया भट्ट की फिल्में भी शामिल हैं. इसी बीच आलिया भट्ट के लिए सबसे बड़ा खतरा बनकर करण जौहर आ रहे हैं. क्या कार्तिक आर्यन की मदद से आलिया की फिल्म को नुकसान पहुंचाएंगे करण? आप भी सोच रहे होंगे कि हम ऐसा क्यों कह रहे हैं.

ऐसा इसलिए क्योंकि कार्तिक आर्यन की 'तू मेरी में तेरा में तेरा तू मेरी' की रिलीज डेट बदल गई है. जी हां, फिल्म को पहले इसी साल लाया जा रहा था. फिर पोस्टपोन कर अगले साल यानी 2026 में रिलीज करने का फैसला किया. अब यह डेट फिर से बदल दी गई है.जी हां, इस फिल्म को करण जौहर बना रहे हैं. वहीं कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म में अनन्या पांडे दिख रही हैं. जिसका पहले ही ऑफिशियल ऐलान कर दिया गया है. इसी बीच उनकी अपकमिंग फिल्म को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई. जिससे पता लगा कि पिक्चर अब इसी साल के आखिर में रिलीज कर दी जाएगी. रे एंड रूमी कैसे आलिया के लिए परेशानी बन रहे हैं?

हाल ही में एक न्यूज वेबसाइट पर रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि कार्तिक आर्यन की रोमांटिक कॉमेडी 'तू मेरी मैं तेरी, मैं तेरा तू मेरी' अब 31 दिसंबर, 2025 को रिलीज कर दी जाएगी. दोनों ने अपने परफॉर्मेंस से सबको इम्प्रेस किया है. ऐसे में कार्तिक आर्यन की इस फिल्म को लेकर माहौल सेट हो गया है. हर कोई खुश है कि वो इसी साल फिल्म लेकर आ रहे हैं. दरअसल कार्तिक की पिछली फिल्म 'भूल भुलैया 3' थी, जो साल 2024 में आई थी. वहीं 'केसरी चैप्टर 2' में अनन्या ने जबरदस्त एक्टिंग की थी.

उर्दू-हिंदी के विद्वान थे कादर खान

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर की लीडिंग फिल्म इंडस्ट्री में से एक है. इस इंडस्ट्री में मुख्य रूप से हिंदी में फिल्में बनती हैं. गानें बनते हैं. दुनियाभर में बॉलीवुड, हिंदी भाषा की वजह से काफी पॉपुलर मानी जाती है. लेकिन इसे पॉपुलर करने में किसी एक आदमी का हाथ नहीं है. 100 साल से भी ज्यादा लंबा इतिहास रहा है. इस दौरान कई सारे कलाकारों ने अपनी हिंदी की समझ-बूझ से ना सिर्फ इस भाषा के कद को बढ़ाया है बल्कि बॉलीवुड इंडस्ट्री की गरिमा को भी बनाए रखा है. इसमें योगदान कई कलाकारों का रहा है जिसमें एक्टर, डायलॉग राइटर से लेकर गीतकार और साहित्यकारों का नाम भी शामिल है. हिंदी दिवस के मौके पर आज हम एक ऐसे ही कलाकार की बात कर रहे हैं जिसने इस भाषा को बॉलीवुड में ना सिर्फ रिच किया बल्कि उसके इरादे इसकी पहुंच को और आगे तक बढ़ाने के थे. हम बात कर रहे हैं दिग्गज एक्टर और डायलॉग राइटर कादर खान की.

कादर खान ने फिल्म इंडस्ट्री में 4 दशक से ज्यादा समय तक काम किया. इस दौरान उन्होंने कई सारी फिल्में की. उन्होंने फिल्मों में विलेन से लेकर कॉमेडियन तक के रोल प्ले किए. साथ ही कई फिल्मों में एक्टर ने डायलॉग्स लिखे और स्क्रीनराइटिंग भी की. उनका तलफ्फुज बहुत शानदार था और उन्होंने अपने इस हुनर से ही फैंस को खूब इंप्रेस किया. बॉलीवुड में उनके योगदान की बात करें तो वे ऐसे तो महान एक्टर-राइटर के तौर पर गिने जाएंगे. लेकिन इसके बाद भी अगर गहराई तक जाएं तो उनका योगदान इससे भी बहुत बड़ा था. ना उन्होंने सिर्फ भाषा का दामन थामा बल्कि उसे साथ लेकर आगे तक ले जाने का वादा भी किया. इसमें वे काफी हद तक कामियाब भी हुए और कुछ इच्छाएं उनकी उनके साथ ही रुखसत हो गईं.

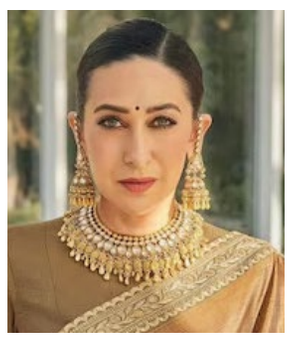

करिश्मा कपूर का खुलासा

करिश्मा कपूर इन दिनों अपने दिवंगत एक्स हसबैंड संजय कपूर की वसीयत को लेकर न्यूज़ में आ गई हैं। करिश्मा कपूर भले ही अब फिल्मों में कुछ ज्यादा नजर नहीं आती है लेकिन इसके बावजूद उनके खूबसूरती का हर कोई कायल है। लेकिन करिश्मा कपूर अपनी प्रोफेशनल लाइफ से ज्यादा अपने निजी जीवन को लेकर चर्चा का विषय बनी रहती हैं। एक वक्त हुआ करता था जब अभिषेक बच्चन और करिश्मा कपूर के प्यार के चर्चे हुआ करते थे और बताया तो यह भी जाता है कि दोनों की सगाई तक हो गई थी। लेकिन कुछ मतभेदों के चलते दोनों का रिश्ता टूट गया और बाद में करिश्मा कपूर ने बिजनेसमैन संजय कपूर के साथ में शादी रचा ली थी। दोनों ने साल 2003 में शादी रचाई। हालांकि शादी के 13 साल बाद यानी कि साल 2016 में दोनों का तलाक हो गया और इस दौरान दोनों ने कोर्ट में एक दूसरे के खिलाफ कई सारे बयान दिए।

कुनिका ने तान्या के रिश्तों पर उठाए सवाल

बिग बॉस एक बड़े कॉन्ट्रोवर्शियल शो के तौर पर जाना जाता है. कुछ वक्त पहले बिग बॉस का 19वां सीजन शुरू हुआ. हालांकि, शो में हर बार देखने को मिलता है कि शुरुआत में जो लोग दोस्त के तौर पर सामने आते हैं, वो बाद में दुश्मन बन जाते हैं.कुछ ऐसे ही दोस्ती और दुश्मनी का खेल कुनिका सदानंद और तान्या मित्तल के बीच भी चल रहा है. ये दोनों कुछ वक्त पहले तक एक-दूसरे की काफी अच्छी दोस्त थीं, लेकिन अब दोनों के बीच काफी लड़ाइयां देखने को मिल रही हैं. हाल ही में तान्या से तकरार के बीच कुनिका ने नीलम से तान्या के बारे में बात करती दिखीं. इस बातचीत के दौरान दोनों तान्या की पर्सनल लाइफ के बारे में चर्चा करते हुए नीलम ने कहा कि उन्हें लगता है कि तान्या अपनी जिंदगी के बारे में कुछ छिपाया हुआ है.इसी दौरान कुनिका ने तान्या के निजी जिंदगी के बारे में खुलासा करते हुए कहा कि तान्या ने उनसे एक चौंकाने वाला सवाल पूछा था. उन्होंने कहा कि तान्या ने एक बार पूछा था कि मैम, शादीशुदा आदमी से प्यार करना ठीक है या नहीं?हालांकि, इस सवाल पर कुनिका ने जवाब दिया कि प्यार करना बुरा नहीं, लेकिन मामला कुछ और गहरा है. उन्होंने तान्या के परिवारिक हालात का भी जिक्र किया, जिसमें माता-पिता का अलग रहना शामिल था.कुनिका ने कहा कि तान्या अपनी लाइफस्टाइल और संसाधनों को ज्यादा फ्लॉन्ट करती है. इसी बीच नीलम ने भी जिक्र करते हुए बताया कि तान्या ने कभी खुदकुशी की कोशिश का भी जिक्र किया था.हालांकि, कुनिका और नीलम दोनों मानती हैं कि तान्या इस समय एक इमोशनल दौर से गुजर रही है. जिसका असर ना सिर्फ उनके बिहेवियर पर है, बल्कि बिग बॉस के गेम पर और कंटेस्टेंट्स के साथ उनके रिश्तों पर भी पड़ सकता है.

अनुपमा पर टूटा नया संकट

सीरियल अनुपमा में एक महीने से डांस कॉम्पिटिशन का खेल देखने को मिल रहा था. फैंस भी कॉम्पिटिशन के खत्म होने का इंतजार कर रहे थे. कॉम्पिटिशन के ट्रैक ने लोगों को खूब पकाया है. अच्छी बात ये है कि सीरियल अनुपमा की कहानी में अनुपमा आखिरकार कॉम्पिटिशन की विनर बन चुकी है. ऐसा होते ही अनुपमा की कहानी में एक नया अध्याय शुरू होने वाला है. सीरियल अनुपमा अब अब तक आपने सुना, फिनाले में ऐलान किया जाता है कि अनुपमा विनर है. ऐसे में राही के हाथ से ट्रॉफी छीनकर अनुपमा को दे दी जाती है. ऐसा होते ही राही का दिल टूट जाता है. इसी बीच सीरियल अनुपमा की कहानी मं एक और धमाकेदार मोड़ आने वाला है.सीरियल अनुपमा के आने वाले एपिसोड में आप देखेंगे, अनुपमा विनर बनते ही छत्तीस पन्नों की स्पीच देने वाली है. अनुपमा को याद आएगा कि कैसे वनराज ने उसे कभी भाव नहीं दिया. इस दौरान अनुपमा ने अपने अचीवमेंट के बारे में सबको बताया.अनुपमा बताएगी कि उसके परिवार के बिना वो अधूरी है. इस दौरान अनुपमा सबका नाम लेती है. अनुपमा के विनर बनते ही ख्याति का दिमाग खराब हो जाएगा. ख्याति और वसुंधरा दोनों राही की हालत खराब करने वाली हैं.अनुपमा की स्पीच के बीच में एक बड़ा ट्विस्ट आने वाला है. अचानत ही राही स्टेज से गायब हो जाएगी. अनुपमा को ये बात जल्द ही पता चलेगा.

शाहिद की नई मूवी की ग्रैंड तैयारी

इस साल के बचे हुए महीनों में जितनी बड़ी फिल्में आने वाली हैं, उसमें शाहिद कपूर की भी फिल्म है. इस साल 'देवा' के पिटने के बाद से ही वो विशाल भारद्वाज के साथ बिजी थे. उनकी पिक्चर का टाइटल बदलकर अब रोमिया बताया जा रहा है. पर मेकर्स के ऑफिशियल ऐलान का इंतजार है. हालांकि, इस फिल्म का दिसंबर में रणवीर सिंह की 'धुरंधर' से क्लैश होगा. दोनों फिल्में अपनी-अपनी रिलीज के साथ पूरी तरह तैयार हैं. इसी बीच शाहिद कपूर अगली तैयारियों में जुट गए हैं.

हाल ही में शाहिद कपूर ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीर शेयर की है. पहली तस्वीर में वो गाड़ी में बैठे दिख रहे हैं. जिसपर वो लिखते हैं- अगली की तरफ. वहीं दूसरी फोटो पर लिखा- नई शुरुआत 'कॉकटेल 2'. इस दौरान उन्होंने अपनी दोनों को-एक्ट्रेस को भी टैग किया है. जी हां, इस बार कॉकटेल 2 की पूरी टीम बदल चुकी है. फ्रेश कैरेक्टर्स के साथ सीक्वल बनाया जा रहा है, जिसमें कृति सेनन के साथ ही रश्मिका मंदाना भी हैं. एक्ट्रेस ने 'पुष्पा 2' से 1800 करोड़ से ज्यादा का कारोबार किया था. इस फिल्म में रोमांस, कॉमेडी और भर-भरकर ड्रामा देखने को मिलेगा.साथ ही हिंट दिया था कि फिल्म की जल्द शूटिंग शुरू हो जाएगी. साथ ही टैग लिखा- वर्क इन प्रोग्रेस. दरअसल फिल्म की शूटिंग जनवरी 2026 तक खत्म होने की खबरें सामने आ रही हैं. भारत के अलावा इसे यूरोप में भी शूट किया जाएगा. बताते चलें कि शाहिद कपूर की अर्जुन उस्तरां आने वाली है.

वाणी और फवाद की फिल्म 'अबीर गुलाल' पर बैन की खबरें

पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान और बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर की फिल्म आबीर गुलाल 12 सितंबर को दुनियाभर में रिलीज हुई, लेकिन भारत में इसे बैन कर दिया गया। यह फिल्म पहले 9 मई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले और भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के कारण इसे भारत में रिलीज करने की इजाजत नहीं मिली।

हाल ही में सोशल मीडिया और मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि यह फिल्म 26 सितंबर को भारतीय सिनेमाघरों में दिखाई जाएगी। इन खबरों ने फैंस में उत्साह भी बढ़ा दिया था। लेकिन अब इन अफवाहों को झूठा बताया है। दरअसल, यह खबर सबसे पहले बॉलीवुड हंगामा ने छापी थी। फिल्म की टीम ने भारत में 26 सितंबर को रिलीज करने की योजना बनाई थी। रिपोर्ट में यहां तक कहा गया था कि फिल्म की कहानी सादी और प्यारी है, जो भारतीय दर्शकों को भी पसंद आएगी। साथ ही, उस हफ्ते कोई बड़ी रिलीज न होने के चलते फिल्म को सोलो रन मिलने की उम्मीद जताई गई थी।

सनी देओल के 'फौजी' को मिली बड़ी फिल्म

इस वक्त फिल्ममेकर्स कुछ नई कहानियों के साथ एंट्री ले रहे हैं. फिल्म का बेशक अब तक ऐलान न किया गया हो, पर हिंट पहले ही मिल चुका है. इम्तियाज अली का कहानी कहने का तरीका ही जबरदस्त है. वहीं वो काफी पहले से अपनी विभाजन पर बेस्ड ड्रामा फिल्म को लेकर चर्चा में बने हैं. जिसे लेकर पहले जानकारी मिली थी कि वेदांग रैना और शरवरी वाघ की जोड़ी साथ दिखेगी. हालांकि, फिल्म अब और बड़ी हो गई है. जिसमें सनी देओल का एक फौजी धमाल मचाने आ रहा है. वहीं उनके साथ सारा तेंदुलकर की बेस्टफ्रेंड होगी, जानिए कौन-कौन हैं. सनी देओल की 'बॉर्डर 2' का काम काफी वक्त पहले ही कंप्लीट किया जा चुका है. अगले साल की शुरुआत में फिल्म को रिलीज कर दिया जाएगा. जिसमें सनी देओल के अलावा पूरी कास्ट नई है. वरुण धवन, अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ वो तीन फौजी हैं, जिन्हें लेकर माहौल सेट है. इसी बीच दिलजीत की इम्तियाज अली की फिल्म में एंट्री हो गई है.

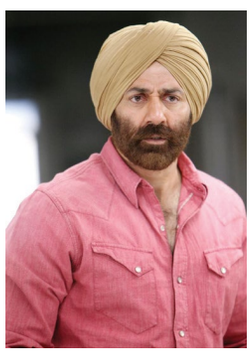

हाल ही में जानकारी मिली थी कि 1947 में हुए विभाजन के बैकड्राप पर इम्तियाज अली फिल्म बना रहे हैं. जिसका टाइटल अब तक फाइनल नहीं किया गया है.दरअसल बनिता संधू की डेब्यू फिल्म 2018 में आई 'अक्टूबर' थी. जिसे शूजित सरकार ने बनाया था. वहीं उनके साथ वरुण धवन भी थे. वहीं, आखिरी बार 'डिटेक्टिव शेरदिल' में नजर आईं थीं. जहां उन्होंने बनिता संधू को देखा था और फिर उन्हें दिलजीत के अपोजिट कास्ट किया गया था. दरअसल बनिता संधु और सारा तेंदुलकर काफी अच्छी दोस्त हैं.

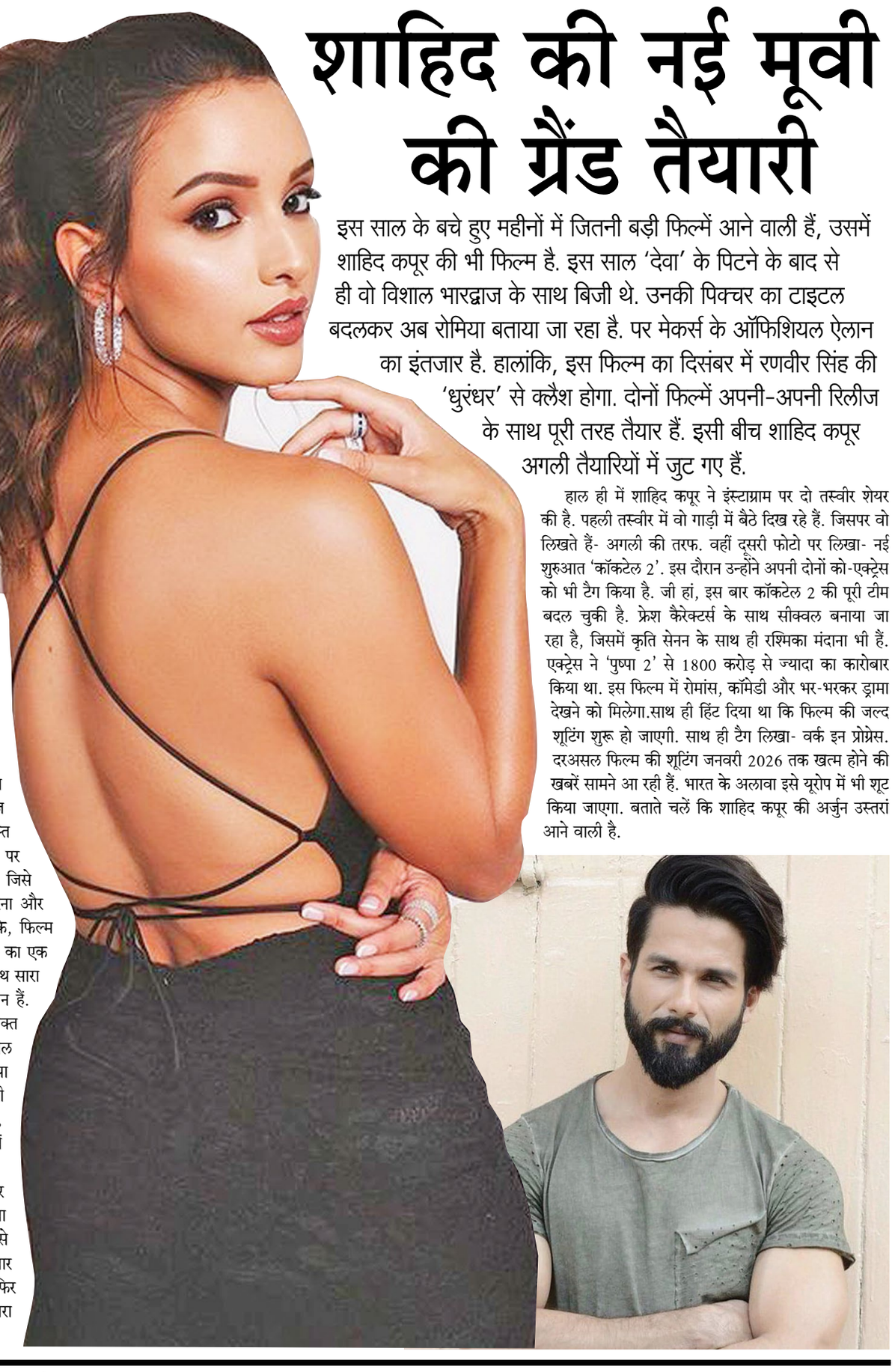

एशिया कप में भारत-पाकिस्तान की टक्कर

रोमांच से ज्यादा विवाद

नई दिल्ली. एशिया कप 2025 में तो भारत-पाकिस्तान भिड़ने ही वाले हैं. लेकिन, इस टूर्नामेंट में इन दोनों टीमों और उसके खिलाड़ियों का इतिहास विवादों से भरा भी रहा है. एशिया कप के इतिहास में 5 खिलाड़ी भारत-पाकिस्तान से विवादों में रहे हैं, जिनमें गौतम गंभीर के अलावा हरभजन सिंह, शोएब अख्तर कामरान अकमल और आसिफ अली का नाम है. खिलाड़ियों के अलावा भारत-पाकिस्तान की टीमें भी बढ़े हुए टेंशन के चलते लिए अपने फैसले की वजह से एशिया कप के इतिहास में विवादों में रह चुकी हैं.

भारत ने 1986 के एशिया कप से पीछे हटने का फैसला लेकर सबको हिला दिया था. उसने श्रीलंका में फैले अंदरूनी कलह से उपजे टेंशन के चलते टीम को एशिया कप में नहीं भेजने का फैसला किया था. इसी तरह पाकिस्तान ने 1990 के एशिया कप में अपनी टीम को भारत नहीं भेजने का फैसला किया था. पाकिस्तान ने ये कदम भारत से राजनीतिक रिश्ते के बिगड़ने के चलते लिया था.

दोनों देशों के अलावा उनके खिलाड़ी भी एशिया कप के दौरान विवादों में खूब आए हैं. साल 2010 के एशिया कप में हरभजन सिंह और शोएब अख्तर के बीच कहासुनी हो गई थी. अख्तर ने दावा किया था कि वो बाद में लड़ाई को आगे बढ़ाने हरभजन के होटल रूम में गए थे, लेकिन फिर उनके बीच सुलह हो गई थी.

एशिया कप 2010 के दौरान ही गौतम गंभीर भी विवादों में आए जब उनकी लड़ाई पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल के साथ हुई.

दोनों के बीच ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान कहासुनी हुई थी. मामले ने इतना तूल पकड़ लिया था कि बीच-बचाव के लिए अंपायर को आना पड़ा था. हालांकि, बाद में ये कहा गया कि उनके बीच जो हुआ वो बस मिसअंडरस्टैंडिंग थी.

एशिया कप 2022 के दौरान पाकिस्तान के क्रिकेटर आसिफ अली तब विवादों में आए थे, जब वो अफगानिस्तान के फरीद अहमद से उलझ गए थे. आसिफ अली को आउट करने के बाद फरीद उसका जश्न मना रहे थे, तभी उनके बीच बवाल खड़ा हो गया. बाद में दोनों के मैच फीस में 25 फीसदी की कटौती की गई थी.

हांगकांग ओपन फाइनल में सात्विक-चिराग को सिल्वर से करना पड़ा संतोष

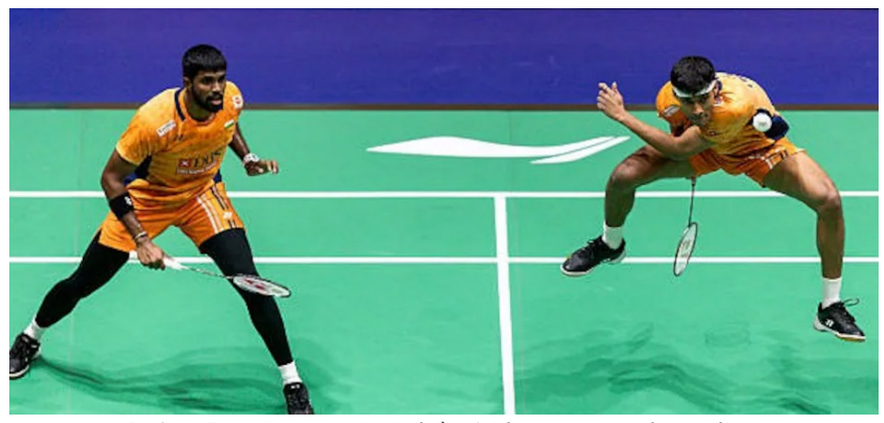

हांगकांग. भारत की टॉप मेंस डबल्स जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को हांगकांग ओपन सुपर 500 के फाइनल में कड़ी टक्कर के बाद सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा. वर्ल्ड रैंकिंग में नौवें स्थान पर काबिज इस भारतीय जोड़ी ने ओलंपिक सिल्वर मेडल विजेता चीनी जोड़ी लियांग वेई केंग और वांग चांग के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन 61 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 21-19, 14-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा.

खिताब से चूकी चिराग-सात्विक की जोड़ी

पिछले महीने वर्ल्ड चैंपियनशिप में लगातार दूसरा ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली इस जोड़ी ने पहला गेम शानदार अंदाज में अपने नाम किया. चिराग ने शुरुआत में ही तेज स्मैश के साथ 0-2 के स्कोर को पलटा और 9-8 की बढ़त बनाई. ब्रेक के बाद सात्विक और चिराग ने आक्रामक रुख अपनाया, जिसमें सात्विक की बॉडी अटैक और चिराग की सटीक सर्विस ने भारत को 13-11 की बढ़त दिलाई. गेम के आखिरी पलों में दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली. 19-19 के स्कोर पर सात्विक का शानदार स्मैश और चिराग की सटीक सर्विस ने भारत को पहला गेम 21-19 से जिताया.

दूसरा गेम चीनी जोड़ी के नाम रहा. वांग चांग ने बैककोर्ट से शानदार खेल दिखाया और लियांग की नेट पर चपलता ने चीनी जोड़ी को 8-2 की बढ़त दिलाई.

भारतीय जोड़ी ने स्कोर को 12-14 तक लाने की कोशिश की, लेकिन चिराग की कुछ गलतियों और चीनी जोड़ी के तेज स्मैश ने उन्हें 21-14 से गेम जीतने में मदद की. वहीं, तीसरे और आखिरी गेम में लियांग और वांग ने शुरू से ही दबदबा बनाया और 5-0 की बढ़त हासिल की. भारतीय जोड़ी वापसी के लिए जूझती दिखी और ब्रेक तक स्कोर 11-2 हो गया. सात्विक और चिराग ने अंत में शानदार वापसी की कोशिश की और तीन मैच पॉइंट बचाए, लेकिन 17-20 के स्कोर पर एक गलत रिटर्न ने चीनी जोड़ी को 21-17 से जीत दिला दी.

हार्दिक पंड्या ने रचा इतिहास

नई दिल्ली. एशिया कप 2025 के छठे मुकाबले में भारत और पाकिस्तान के बीच हाई-वोल्टेज मैच में हार्दिक पंड्या ने एक ऐतिहासिक कारनामा कर दिखाया. इस मुकाबले में पाकिस्तान की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया. लेकिन हार्दिक पंड्या ने मैच की पहली ही गेंद पर पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया. हार्दिक पंड्या ने एक ऐसा कारनामा किया जो पाकिस्तान के खिलाफ इससे पहले कोई भी भारतीय गेंदबाज नहीं कर सका था.मैच की शुरुआत में भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने गेंदबाजी की जिम्मेदारी हार्दिक पंड्या को सौंपी.

भारत ए टीम का ऐलान, ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ तीन वनडे सीरीज

नई दिल्ली. बीसीसीआई की सीनियर सेलेक्शन कमेटी ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए भारत ए टीम का ऐलान कर दिया है. यह सीरीज 30 सितंबर से 5 अक्टूबर 2025 के बीच कानपुर के ऐतिहासिक ग्रीन पार्क स्टेडियम में खेली जाएगी. यह सीरीज भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारों के लिए एक बड़ा मंच साबित होगी, जहां वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर इंटरनेशनल लेवल पर जगह बनाने की दावेदारी पेश करेंगे.

इस सीरीज के शुरुआती मैच के लिए रजत पाटीदार को कप्तान बनाने का ऐलान किया गया है. वहीं, सीरीज के आखिरी 2 मैचों में टीम की कमान तिलक वर्मा संभालेंगे. दरअसल, तिलक वर्मा सीरीज के पहले मैच में टीम का हिस्सा नहीं होंगे. जिसके चलते रजत पाटीदार ये जिम्मेदारी संभालेंगे. वहीं, अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह और रियान पराग जैसे स्टार खिलाड़ी भी इस सीरीज का हिस्सा होंगे. पहले वनडे मैच के लिए भारत ए टीम: रजत पाटीदार (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विप्रज निगम, निशांत सिंधु, गुरजापनीत सिंह, युद्धवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), प्रियांश आर्य, सिमरजीत सिंह.

दूसरे और तीसरे वनडे के लिए भारत ए टीम: तिलक वर्मा (कप्तान), रजत पाटीदार (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रियान पराग, बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विप्रज निगम, निशांत सिंधु, गुरजापनीत सिंह, युद्धवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह.

हिंदी दिवस पर डेविड बेकहम का खास कनेक्शन

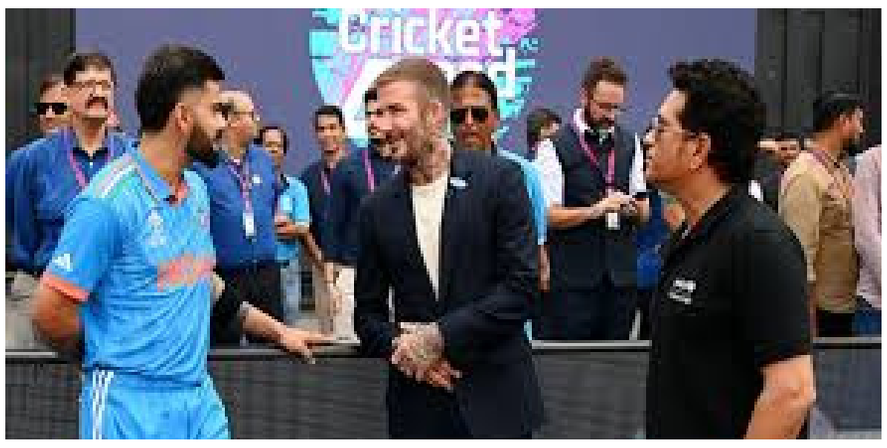

नई दिल्ली. 14 सितंबर का दिन दुनिया में सबसे ज्यादा बोले जाने वाली भाषा में से एक हिंदी को समर्पित है. हिंदुस्तान के अलावा कई विदेशी मुल्क हैं जहां हिंदी भाषी लोग रहते हैं. यहां तक कि खेल के मैदान में इतिहास रचने वाले कई दिग्गज खिलाड़ियों को भी हिंदी से गहरा प्रेम है. ऐसे ही एक खिलाड़ी हैं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम, जिन्होंने फुटबॉल की दुनिया में कई अनूठे कारनामे कर फैंस का दिल जीता लेकिन हिंदी बोलने वालों को उन्होंने एक खास ही अंदाज में अपना दीवाना बनाया. अब आप सोच रहे होंगे कि आखिर हिंदी दिवस के दिन हम डेविड बेकहम का जिक्र क्यों कर रहे हैं, आइए आपको बताते हैं.

डेविड बेकहम का हिंदी से गहरा नाता

डेविड बेकहम ना सिर्फ मशहूर फुटबॉलर और स्टाइल आइकन हैं बल्कि वो अपने शरीर पर बने खास टैटूज़ के लिए भी जाने जाते हैं.बेकहम के इन्हीं टैटू में से एक खास टैटू उन्होंने हिंदी में बनवाया है. बेकहम ने अपनी पत्नी विक्टोरिया का नाम हिंदी में गुदवाया हुआ है. ये टैटू न केवल उनकी निजी जिंदगी को दर्शाता है, बल्कि भारतीय संस्कृति और हिंदी भाषा के लिए उनका लगाव भी इस टैटू से झलकता है. आइए अब जानिए डेविड बेकहम के इस हिंदी टैटू के पीछे की कहानी.

बेकहम ने हाथ पर हिंदी में लिखवाया पत्नी का नाम

डेविड बेकहम ने 2000 के दशक में अपने बाएं फोरआर्म पर अपनी पत्नी विक्टोरिया के नाम का हिंदी में टैटू बनवाया. ये टैटू "विक्टोरिया" नाम को देवनागरी लिपि में दर्शाता है. हालांकि, इस टैटू ने खूब सुर्खियां बटोरीं क्योंकि इसमें वर्तनी की गलती थी.हिंदी में "विक्टोरिया" के बजाय इसे "विक्टोरिया" लिखा गया था, जिसका उच्चारण गलत था. ये गलती मीडिया में बड़ी सुर्खियां बनी थी. बेकहम ने हिंदी में इसलिए अपनी पत्नी का नाम लिखवाया क्योंकि वो कुछ अनोखा और अलग करना चाहते थे.

4000 करोड़ के मालिक हैं बेकहम

डेविड बेकहम भले ही फुटबॉल से रिटायरमेंट ले चुके हैं लेकिन पैसा कमाने की लिस्ट में आज भी किसी से पीछे नहीं. रिपोर्ट्स के मुताबिक बेकहम की ताजा नेटवर्थ 500 मिलियन पाउंड्स यानि लगभग 6000 करोड़ रुपये है. रिपोर्ट के मुताबिक डेविड बेकहम और विक्योरिटा बेकहम इंग्लैंड के राजा चार्ल्स III से 140 मिलियन पाउंड्स ही पीछे हैं. डेविड बेकहम के करियर की बात करें तो इस खिलाड़ी ने अपने करियर में मैनचेस्टर यूनाइटेड, रियाल मैड्रिड, एसी मिलान और पेरिस सेंट-जर्मेन जैसे बड़े क्लब्स के लिए फुटबॉल खेली. इसके अलावा उन्होंने इंग्लैंड के लिए 13 सालों तक इंटरनेशनल फुटबॉल खेला जिसमें उन्होंने कुल 115 मैचों में 17 गोल दागे.

मेघना सज्जनार ने वर्ल्ड कप में जीता पहला पदक

नई दिल्ली. मेघना सज्जनार ने रविवार को महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में कांस्य पदक के साथ विश्व कप में अपना पहला पदक जीता, जिससे भारत ने सत्र के अंतिम आईएसएसएफ विश्व कप (राइफल/पिस्टल) में पांचवें स्थान पर रहकर अपने अभियान का अंत किया। मेघना ने फाइनल में 230.0 का स्कोर बनाकर कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में चीन की उभरती हुई स्टार पेंग शिनलू का दबदबा रहा, जिन्होंने 255.3 के स्कोर के साथ हमवतन वांग जिफेई के 254.8 के स्कोर का विश्व रिकार्ड तोड़ा। नावें की जेनेट हेग डुएस्टैड ने रजत पदक जीता।

शनिवार को ईशा सिंह ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया था। चीन तीन स्वर्ण पदकों के साथ शीर्ष पर, जबकि नावें दो स्वर्ण पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। रविवार की सुबह मेघना ने दूसरी क्वालीफिकेशन रैली में 632.7 का स्कोर बनाकर सातवां, जबकि पेंग ने 637.4 का शानदार स्कोर बनाकर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। चीनी खिलाड़ी ने 24 शॉट के फाइनल की शुरुआत 10.9 के परफेक्ट स्कोर के साथ की, जबकि मेघना पांच एकल शाट की पहली सीरीज के बाद आठ महिलाओं की श्रेणी में सबसे निचले स्थान पर थीं। भारतीय खिलाड़ी ने दूसरी सीरीज में 52.3 अंक बनाकर अच्छी वापसी की और कांस्य पदक अपने नाम किया। भारत के एक अन्य खिलाड़ी किरण अंकुश जाधव ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन क्वालीफिकेशन राउंड में 590 अंक हासिल कर चौथा स्थान हासिल करके फाइनल में जगह बनाई। हालांकि, फाइनल में पहले नीलिंग पोजीशन और फिर दूसरे प्रोन पोजीशन में उनकी शुरुआत बेहद खराब रही, जिसके कारण वे 40 शाट के बाद 406.7 स्कोर के साथ आठवें स्थान पर रहे। भारत के अन्य खिलाड़ियों में पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता स्वप्निल कुसाले ने 587 अंक बनाकर कुल 21वां और पदक दावेदारों में 19वां स्थान हासिल किया। बाबू सिंह पंवार 583 अंक के साथ उनसे पीछे रहे।

यूएस ओपन चैंपियन बने अल्काराज, कोर्ट के बाहर भी चर्चा में

न्यूयॉर्क. यूएस ओपन टेनिस चैंपियनशिप 2025 का फाइनल सिर्फ कोर्ट तक सीमित नहीं रहा। स्पेन के युवा टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज ने जहां खिताबी मुकाबले में इटली के जानिक सिनर को हराकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया, वहीं कोर्ट के बाहर उनकी पर्सनल लाइफ भी सुर्खियों में रही। इस रोमांचक मुकाबले के साथ एक दिलचस्प कहानी ने जन्म लिया, अमेरिकी सुपरमॉडल ब्रूक्स नादेर के साथ अल्काराज के कथित रिश्ते की।

ब्रूक्स नादेर, जो स्पोर्ट्स इलस्ट्रेटेड की मशहूर स्विमसूट मॉडल हैं और इंस्टाग्राम पर उनके करीब 1.7 मिलियन फॉलोअर्स हैं, यूएस ओपन के कई मुकाबलों के दौरान स्पॉट की गईं। शुरुआती अटकलें थीं कि वह जानिक सिनर के करीब हैं, लेकिन क्वार्टर फाइनल में अल्काराज की जीत के दौरान उनकी मौजूदगी ने अफवाहों की दिशा बदल दी। फाइनल मुकाबले में जब अल्काराज ने सिनर को हराया, तब तक नादेर के साथ उनके कथित रिलेशनशिप की चर्चा जोरों पर थी। इन अफवाहों को हवा दी ब्रूक्स की बहन ग्रेस ऐन नादेर ने, जिन्होंने न्यूयॉर्क फैशन वीक के दौरान एक रेडियो शो पर इशारों में स्वीकार किया कि ब्रूक्स और अल्काराज के बीच कुछ खास चल रहा है।

ब्रूक्स नादेर का नाम पहले भी कई चर्चित हस्तियों से जुड़ चुका है। अरबपति बिली हेयर से तलाक के बाद वह ग्रीस और डेनमार्क के प्रिंस कॉन्स्टेंटाइन-अलेक्सियोस के साथ देखी गई थीं। साथ ही, रियलिटी शो 'लव थाई नादेर' में उनका डांसर ग्लेब सेवचेंको के साथ ब्रेकअप भी दर्शाया गया था।

उल्लेखनीय है कि कार्लोस अल्काराज का नाम पहले ब्रिटिश टेनिस स्टार एम्मा राडुकानू से भी जोड़ा गया था, लेकिन अब वह चर्चा पीछे छूट चुकी है। यूएस ओपन 2025 की ट्रॉफी जीतने के साथ-साथ अल्काराज ने लगता है ब्रूक्स नादेर का दिल भी जीत लिया है।

महिला वर्ल्ड कप से पहले मंधाना का धमाल

नई दिल्ली. वर्ल्ड कप 2025 से ठीक पहले टीम इंडिया ने अपनी तैयारियों को धार देनी शुरू कर दी. 30 सितंबर से शुरू हो रहे आईसीसी महिला वर्ल्ड कप की तैयारियों के लिए 14 सितंबर से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे सीरीज की शुरुआत हुई. सीरीज के पहले ही मैच में टीम इंडिया की उप-कप्तान और स्टार ओपनर स्मृति मंधाना ने दमदार शुरुआत की और एक अच्छी अर्धशतकीय पारी खेली. मगर जहां उनके अर्धशतक ने फैंस को खुश किया, वहीं खुद स्मृति बीच मैच में ही बुरी तरह भड़क गईं और अपनी ही साथी बल्लेबाज पर उनका गुस्सा फूट पड़ा. इसकी वजह बना एक रन आउट. पंजाब के मुल्लांपुर में बने नए स्टेडियम में पहली बार इंटरनेशनल क्रिकेट मैच खेला गया और इसमें शुरुआत ही दमदार रही. भारतीय टीम ने पहले बैटिंग की और उसके लिए मंधाना और प्रतिका रावल की ओपनिंग जोड़ी ने फिर शतकीय साझेदारी की. इन दोनों की साझेदारी ने ऑस्ट्रेलिया को विकेट के लिए तरसा दिया और भारतीय टीम बेहतरीन स्थिति में थी. मगर फिर भारतीय टीम ने खुद ही अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार दी और ऑस्ट्रेलिया को वापसी का मौका दे दिया.

पारी के 22वें ओवर में स्मृति मंधाना ने एक्स्ट्रा कवर्स की ओर शॉट खेला और रन के लिए दौड़ पड़ीं. मगर दूसरी ओर से प्रतिका रावल सिर्फ गेंद ही देखती रह गईं. उन्होंने एक-दो कदम बाहर निकाले लेकिन फिर गेंद देखने के कारण वो रुक गईं और फिर आखिरी वक्त पर उन्होंने स्मृति को मना कर दिया. मगर तब तक काफी देर हो चुकी थी और मंधाना पिच पर काफी आगे पहुंच गई थीं. ऐसे में जब तक वो लौट पातीं, उससे पहले ही फीबी लिचफील्ड का सीधा थ्रो स्टंप्स पर लगा और भारतीय बल्लेबाज रन आउट हो गईं.

बस फिर क्या था, आम तौर पर शांत रहने वाली मंधाना भी इस बार अपने गुस्से पर काबू नहीं कर सकीं और उन्होंने बीच पिच पर ही प्रतिका पर अपना पूरा गुस्सा उतार दिया. मंधाना ने उन्हें खूब खरी-खोटी सुनाई और अपनी पूरी भड़ास निकाली. प्रतिका भी जानती थीं कि उन्होंने गलती की थी, इसलिए उन्होंने भी सिर झुकाकर सबकुछ सुना. मंधाना ने 58 रन की पारी खेली, जबकि प्रतिका ने भी अर्धशतक जमाया और 64 रन बनाए. दोनों ने एक और शतकीय साझेदारी करते हुए 114 रन जोड़े. टीम इंडिया ने आखिरकार 7 विकेट खोकर 281 रन बनाए.

इंडिया-ए टीम का ऐलान, कोहली-रोहित नहीं शामिल

नई दिल्ली. भारत के पाकिस्तान से भिड़ने से पहले बीसीसीआई ने एक ऐसी टीम का ऐलान किया है जिसपर लाखों फैंस की नजरें थी. ये टीम है इंडिया-ए, जिसमें विराट कोहली और रोहित शर्मा के चुने जाने की अटकलें थी लेकिन ये दोनों ही दिग्गज इंडिया-ए टीम में नहीं चुने गए. ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए बीसीसीआई ने टीम का ऐलान किया है जिसकी कप्तानी पहले मैच के लिए रजत पाटीदार और दूसरे-तीसरे मैच के लिए तिलक वर्मा को सौंपी गई है. इस टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो पहली बार इंडिया-ए में चुने गए हैं. इसमें प्रियांश आर्या भी शामिल हैं.

इंडिया-ए की टीम में प्रियांश आर्या को पहली बार मौका मिला है. बाएं हाथ का ये बल्लेबाज आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स की ओर से खेला था.

प्रियांश ने अपने डेब्यू सीजन में ही 180 के स्ट्राइक रेट से 475 रन ठोके थे. उनके टैलेंट को देखते हुए बीसीसीआई चयनकर्ताओं ने उनपर भरोसा जताया है. वैसे प्रियांश आर्या ही नहीं उनके अलावा 7 और खिलाड़ी पहली बार इंडिया ए टीम में आए हैं जिनमें विप्रज निगम, निशांत सिंधु, गुरजपनीत सिंह, अभिषेक पोरेल, सिमरजीत सिंह, सूर्यांश शेड्गे, युद्धवीर सिंह शामिल हैं.

'मैं सत्ता का स्वाद चखने नहीं आई

> पदभार संभालने के बाद बोलीं नेपाल की पीएम

काठमांडू.

नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने रविवार को पदभार ग्रहण किया. उन्होंने 12 सितंबर की रात शपथ ली थी. पदभार संभालने के बाद कार्की ने कहा कि तोड़फोड़ की घटना में जो लोग भी शामिल हैं, उनकी जांच की जाएगी. मैं और मेरी टीम यहां सत्ता का स्वाद चखने नहीं आए हैं. हम 6 महीने से ज्यादा नहीं रुकेंगे. इसके बाद नई संसद को जिम्मेदारी सौंप देंगे. कार्की ने ऐलान किया किसरकार विरोधी आंदोलनों में मारे गए लोगों को शहीद घोषित किया जाएगा. कार्की ने कहा, 'नेपाल की जनता के समर्थन के बिना हम सफल नहीं हो सकते. नेपाल में 27

घंटे लंबा आंदोलन पहली बार हुआ है. लोग आर्थिक समानता और भ्रष्टाचार खत्म करने की मांग कर रहे हैं. नेपाल को फिर से खड़ा करने के लिए सभी को एक साथ आना होगा. हम पीछे नहीं हटेंगे. हम अपने देश को दोबारा मजबूत बनाने के लिए काम करेंगे. हमें गेन जेड पीढ़ी की सोच के अनुसार आगे बढ़ना होगा.'

केपी शर्मा ओली ने गेन जेड के प्रदर्शनकारियों के दबाव में 9 सितंबर को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दिया. राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने 12 सितंबर को पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार का मुखिया नियुक्त किया. 13 सितंबर को 275 सदस्यीय संसद को भंग करते हुए 5 मार्च 2026 को चुनाव कराने की तारीख तय की गई.

रविवार को चीन ने कार्की को प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी. चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, चीन मैडम सुशीला कार्की को नेपाल की अंतरिम प्रधानमंत्री बनने पर बधाई देता है. प्रवक्ता ने यह भी कहा कि चीन और नेपाल की दोस्ती सदियों पुरानी है. चीन, नेपाल के लोगों के द्वारा चुने गए विकास के रास्ते का सम्मान करता है. हम नेपाल के साथ मिलकर शांति, सहयोग और दोस्ती को और आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं.

5 मार्च 2026 को नेपाल मे चुनाव होंगे

रविवार को काठमांडू और अन्य शहरों की सड़कों पर हालात सामान्य होते दिखा. यातायात कम है और धीरे-धीरे दुकानें खुल रही हैं. नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की नियुक्ति से लोगों में नई उम्मीद जगी है. गेन जेड के प्रदर्शनकारियों ने 8 सितंबर को केपी ओली सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू किया था. प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में 50 से ज्यादा लोग मारे गए.

नाले में गिरी कार

7 की मौत, 2 बच्चे भी शामिल

जयपुर.

राजस्थान के जयपुर में भीषण सड़क हादसा हुआ है. इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई, जिसमें दो बच्चे भी शामिल हैं. जानकारी के मुताबिक, एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं. हादसा जयपुर वाटिका रिंग रोड पर हुआ. कार सवार सभी लोग हरिद्वार से लौट रहे थे, अचानक अनियंत्रित होकर कार पलटने से हादसे का शिकार हो गए. सूचना पर स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को अस्पताल पहुंचाया गया. जानकारी के मुताबिक, हादसा जयपुक वाटिका रिंग रोड पर हुआ. अचनाकर कार अनियंत्रित होकर पलटने से कार सवार हादसे का शिकार हो गए. कार में दो बच्चे, दो महिलाओं समेत सात लोग सवार थे. इस हादसे में मौके पर ही 3 पुरुष 2 महिला 2 बच्चों समेत 7 लोगों की मौत हुई है. कार सवार अपने परिजन की अस्थियां विसर्जित करके हरिद्वार से लौट रहे थे. जयपुर वाटिका रिंग रोड पर करा अनियंत्रित होकर पलटी गई. जिससे मौके पर चीख पुकार मच गई. स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी. सूचना मिलने पर स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से सभी मृतकों को महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचाया. फिलहाल पुलिस पूरे हादसे कीजांचमेंजुटी गई है. स्थानीय पुलिस अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि जयपुर वाटिका रिंग रोड पर एक अनियंत्रित होकर पलट गई थी. जिसकी सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम को तुरंत मौके पर भेजा गया था. इस हादसे में सात लोगों की मौत हुई है. सभी को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया. कार सवार हरिद्वार से लौट रहे थे.

'मैं शिव का भक्त हूं'

पीएम मोदी का कांग्रेस पर कैसा तंज

नई दिल्ली.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम में 18,530 करोड़ रुपये से अधिक की कई प्रमुख परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। असम के दरांग में पीएम मोदी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, मैं तो भगवान शिव का भक्त हूं और दुश्मनों के द्वारा दिया गया सारा जहर निगल जाता हूं। इसके बाद पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। पीएम ने कांग्रेस पर राष्ट्रविरोधी ताकतों का साथ देने और पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवादियों का समर्थन करने का आरोप लगाया।

पीएम मोदी ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के बाद मेरा पहली बार असम आना हुआ है. मां कामाख्या के आशीर्वाद से ऑपरेशन सिंदूर को जबरदस्त सफलता मिली। आज मां कामाख्या की धरती पर आकर एक अलग ही पुण्य का अनुभव हो रहा है। आज यहां जन्माष्टमी मनाई जा रही है और आप सभी को जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं।' अपनी मां के अपमान का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'मुझे कितनी ही गालियां दे, मैं भगवान शिव का भक्त हूं, सारा जहर निगल लेता हूं। लेकिन जब किसी और का अपमान होता है, तो मैं इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता। पीएम मोदी ने भूपेन हजारिका को लेकर लोगों से पूछा, आप लोग मुझे बताएं, क्या भूपेन दा को भारत रत्न से सम्मानित करने का मेरा निर्णय सही है या

गलत? क्या कांग्रेस पार्टी द्वारा उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने के लिए किया गया अपमान सही है या गलत? असम की ऐसी महान संतानों और हमारे पूर्वजों ने असम के लिए जो सपना देखा था, उसे पूरा करने में भाजपा की डबल इंजन सरकार पूरी निष्ठा से जुटी हुई है।' मुख्यमंत्री ने मुझे कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष का एक वीडियो दिखाया, और इसे देखकर मुझे बहुत दुख हुआ। जिस दिन भारत सरकार ने इस देश के महान सपूत, असम के गौरव, भूपेन हजारिका जी को भारत रत्न दिया. कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष ने कहा था कि मोदी नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहे हैं।

1962 में चीन के साथ युद्ध के बाद, पंडित नेहरू ने जो कहा, वह उत्तर पूर्व के लोगों के घाव आज भी भरे नहीं हैं।'

डिग्री नहीं तो क्या हुआ?

तेजस्वी से जुड़े सवाल पर बोले नेता रितेश पांडे

पटना.

भोजपुरी सिंगर और जन सुराज पार्टी के नेता रितेश पांडे ने तेजस्वी यादव की डिग्री से जुड़े सवाल पर बड़ी बात कही. गया में आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि कौन कह रहा है डिग्री नहीं है तो नेता नहीं बन सकते. दरअसल, इस बैठक में रितेश पांडे से ये पूछा गया कि तेजस्वी यादव पर प्रशांत किशोर नौवीं फेल कहकर लगातार वार करते रहते हैं. आप कितने पढ़े हैं?

इस पर जन सुराज के नेता रितेश पांडे ने कहा कि मैंने तो पहले ही बता दिया हूं कि मैं 12वीं पास हूं और ग्रेजुएशन म्यूजिक से किया है. इस पर उनसे ये सवाल भी पूछा गया कि प्रशांत किशोर की डिग्री पर भी अचानक से सवाल उठने लगे हैं. रितेश पांडे ने कहा कि जिन पर नौवीं फेल का सवाल उठा है अगर वो इससे इत्तेफाक नहीं रखते हैं तो वो 10वीं का सर्टिफिकेट दिखा दें. मीडिया

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है. प्रशांत किशोर से मुलाकात होने पर उनसे भी उनकी डिग्री पूछ ले.

रितेश पांडे से जब ये पूछा गया कि प्रशांत किशोर, तेजस्वी को 9वीं फेल क्यों कहते हैं, उसका राजनीति से क्या संबंध? इस पर जन सुराज के नेता ने कहा कि क्योंकि वो नौवीं फेल हैं और इसका राजनीति से क्या संबंध है, इस सवाल का जवाब प्रशांत किशोर ही दे पाएंगे क्योंकि वही नौवीं फेल कहते हैं. इसके बाद रितेश पांडे ने एक उदाहरण देते हुए कहा कि राघोपुर की जनता बाढ़ में डूबी हुई है. लोग कमर से ऊपर पानी में हेलकर जा रहे हैं. एक तरफ ये वीडियो है और दूसरी तरफ मैं कहीं देख रहा था कि तेजस्वी प्राइवेट जेट में बैठकर केक काट रहे हैं.

रितेश पांडे ने कहा कि जिस क्षेत्र की जनता की आपको जिम्मेदारी मिली है, एक बार वहां तो चले जाते. रितेश ने आगे कहा कि ये लोग ऐसे नेता हैं, जो कहीं बाढ़ आए जाए तो हवाई सर्वेक्षण कर निकल जाते हैं.

प्रशांत किशोर ऐसा नहीं करते. वो किचड़ भी नहीं देखते वो ऐसे ही पायजामा पहनकर पार कर जाते हैं. रितेश पांडे ने कहा कि जितना मेहनत प्रशांत किशोर कर रहे हैं, उतना मेहनत आज की तारीख में बिहार का कोई नेता नहीं कर रहा है. उन पर जितने आरोप लगाए गए, सबका उन्होंने खुलकर जवाब दिया.

छेड़छाड़ से तंग आकर युवती ने पिया ऑलआउट

कानपूर.

उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले के रायपुरवा थाना क्षेत्र में एक 37 साल की युवती ने छेड़छाड़ से तंग आकर ऑलआउट पीकर आत्महत्या की कोशिश की. गंभीर हालत में उसे हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया. युवती पेशे से जिम थेरेपिस्ट है. उसने आरोप लगाया कि मोहल्ले के कुछ युवकों ने उसके साथ छेड़छाड़ की और घर में घुसकर अभद्र व्यवहार किया. वहीं दूसरी तरफ पुलिस की अब की जांच में आपसी विवाद की बात सामने आई है.

युवती के अनुसार, शुक्रवार रात वह मोहल्ले में एक जन्मदिन समारोह से करीब डेढ़ बजे घर लौटी थी. आरोप है कि पड़ोस में रहने वाले सचिन निगम, धर्मेंद्र भट्ट और ओम साहू नशे की हालत में उसके घर पहुंचे और गेट पीटने लगे. दरवाजा खोलने पर उन्होंने उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की और अभद्र टिप्पणियां कीं. युवती ने शोर मचाकर अपनी जान बचाई, जिसके बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे.

भीड़ देखकर आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए. इसके बाद युवती ने ऑलआउट पीकर आत्महत्या करने की ठानी, लेकिन इससे पहले उसने एक वीडियो बनाया, जो कि अब सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है.

युवती ने आत्महत्या की कोशिश से पहले एक वीडियो जारी कर अपनी आपबीती बताई. उसने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि मोहल्ले के युवक आए दिन उसे परेशान करते हैं. हालांकि, पुलिस ने छेड़छाड़ के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि युवती का आरोपियों के साथ पुराना विवाद है, जिसके चलते उसने यह कदम उठाया.

जुलाना के लोगों के साथ हुई वोटों की ठगी

चंडीगढ़.

जींद के जुलाना से कांग्रेस विधायक पूर्व रेसलर विनेश फोगाट को अपनी विधानसभा के गांवों में दौरा करना भारी पड़ गया, बाढ़ से प्रभावित किसानों से बातचीत के दौरान सरपंच प्रतिनिधि सुधीर ने विनेश फोगाट को जमकर खरी-खरी सुनाई. सुधीर ने विधायक विनेश से कहा कि अब दौरा करने का क्या औचित्य है, जब 75 प्रतिशत पानी उतर चुका है. जब उन्हें जरूरत थी तो उनके पास 100 से ज्यादा फोन किए, लेकिन विधायक ने फोन नहीं उठाया. सरपंच प्रतिनिधि ने तो ये तक कहा कि जुलाना के लोगों के साथ वोटों की ठगी हो गई है. सरपंच प्रतिनिधि सुधीर ने कहा कि हम सभी ने मिलकर विनेश फोगाट को जिताया था, लेकिन अब वे खुद को ठगा सा महसूस कर रहे हैं. आज जब उन पर मुसीबत आई, खेतों और गांव में जलभराव हुआ तो विनेश ने उनके फोन उठाने बंद कर दिए.

आज जब पानी उतर गया तो हमें संभालने के लिए आ गई. इससे पहले विधायक विनेश फोगाट गुरुवार दोपहर को हलके के बराड़ खेड़ा, बुआना, खरैंटी, गढ़वाली, झमौला, करेला, मालवी और देवरड़ गांव पहुंची और ग्रामीणों व प्रभावित किसानों से बातचीत की.

विधायक ने किसानों की समस्याएं सुनीं और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया. उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि खेतों से पानी की निकासी के लिए तुरंत प्रभावी कदम उठाए जाएं, ताकि किसानों की फसलें बचाई जा सकें. विधायक ने कहा कि किसानों की परेशानी को दूर किया जाएगा और नुकसान का आकलन करवाकर उचित मुआवजा दिलाने की दिशा में भी काम किया जाएगा. इसके बाद जब विधायक विनेश फोगाट बुआना गांव में पहुंची तो सरपंच एसोसिएशन के जिला प्रधान और प्रदेश प्रवक्ता सुधीर बुआना ने कहा कि सरपंच एसोसिएशन और पंचायत समिति सदस्यों ने समर्थन देकर विनेश फोगाट को जिताया था. अब विधायक फोन उठाना भी उचित नहीं समझ रही हैं. सुधीर ने कहा कि जब गांवों का 75 प्रतिशत पानी उतर चुका है तो अब दौरे करने का क्या औचित्य? विधायक जलभराव का स्थाई समाधान करे.

फ्लाईओवर से रेलवे ट्रैक पर गिरी कार

नई दिल्ली.

नई दिल्ली के मुकरबा चौक फ्लाईओवर पर रविवार को बड़ा हादसा टल गया। एक कार फ्लाईओवर से नीचे हैदरपुर मेट्रो स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर गिर गई। कार चला रहा व्यक्ति इस हादसे में घायल हो गया। कार काफी देर तक रेलवे ट्रैक पर पड़ी रही। इसके बाद उसे ट्रैक से हटाया गया और चोटिल ड्राइवर को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

बताया जा रहा है कि कार चला रहे व्यक्ति ने कार से नियंत्रण खो दिया था। इसके बाद उसकी कार रेलवे ट्रैक पर गिर गई। घटना के बाद स्थानीय लोग कार के मलबे के पास पहुंचे और अंदर फंसे हुए व्यक्ति को बाहर निकाला। घटना के बाद पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंचे और क्रेन की मदद से कार को रेलवे ट्रैक से हटाया।

छह सितंबर को उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में वजीरपुर फ्लाईओवर से गिरकर एक व्यक्ति घायल हो गया था। पुलिस के मुताबिक यह घटना सुबह करीब 6.22 बजे हुई, जब रणजीत नगर निवासी जिलानी (26) फ्लाईओवर से डिपो क्षेत्र में गिर गया। पुलिस को इस घटना की सूचना पीसीआर कॉल पर मिली, जिसके बाद उप-निरीक्षक जितेंद्र राणा और उनकी टीम घटनास्थल पर पहुंची। जब तक वे पहुंचे, घायल

जिलानी को पीसीआर वैन द्वारा भगवान महावीर अस्पताल पहुंचाया जा चुका था। जिलानी के हाथ और कमर में चोटें आईं और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस उन परिस्थितियों की जांच कर रही है, जिनके कारण जिलानी फ्लाईओवर से गिरा।

नौ अगस्त को दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के निर्माणाधीन स्थल पर दीवार गिरने से शनिवार को वसंत कुंज में मसूदपुर फ्लाईओवर के पास सड़क का एक हिस्सा धंस गया। यह घटना डी-6 क्षेत्र के निकट घटी।

फोर्टिस अस्पताल से महिपालपुर की ओर जाने वाली सड़क को यातायात के लिए बंद कर दिया गया और यात्रियों को अरुणा आसफ अली मार्ग से जाने की सलाह दी गई है। हालांकि, किसी भी व्यक्ति या सामग्री को कोई नुकसान नहीं हुआ। एहतियात के तौर पर मसूदपुर फ्लाईओवर के नीचे फुटपाथ के पास सड़क पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है।

ट्रंप की ट्रैवल बैन नीतियों ने बढ़ाई अंतरराष्ट्रीय छात्रों की मुश्किलें

न्यूयॉर्क.

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ट्रैवल बैन नीतियों ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों को बड़ी मुश्किल में फंसा दिया है। खासकर अफगानिस्तान में तालिबानी महिलाओं को कॉलेज जाने से रोकने के बाद उन्होंने अमेरिका में उच्च शिक्षा पाने का सपना देखा था। मगर ट्रंप ने उसे बी छीन लिया।

अफगानिस्तान की 21 वर्षीय छात्रा बहारा साघरी ने कई वर्षों तक प्रतिदिन आठ घंटे तक अंग्रेजी का अभ्यास किया और आखिरकार उन्हें इलिनॉयस के एक निजी लिबरल आर्ट्स कॉलेज में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की पढ़ाई के लिए दाखिला मिल गया था। वह इस साल अमेरिका आने की तैयारी में थीं, लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यात्रा प्रतिबंध नीति (ट्रैवल बैन) की वजह से इस बार उनके सपनों पर फिर पानी फिर गया। साघरी ने कहा, "आप सोचते हैं कि अब आप अपने सपने की तरफ बढ़ रहे हैं और फिर अचानक कुछ ऐसा होता है कि सब कुछ चला जाता है।

ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए ट्रैवल बैन और 19 देशों के नागरिकों पर लगाए गए प्रतिबंधों का असर हजारों छात्रों पर पड़ा है। इनमें कई ऐसे हैं, जिन्होंने अमेरिका आने के लिए वर्षों की मेहनत और धन खर्च किया था, लेकिन अब वे असहाय महसूस कर रहे हैं। हजारों छात्रों का उच्च शिक्षा हासिल करने का सपना अब चकनाचूर हो चुका

है। कई अंतरराष्ट्रीय छात्र जिन्हें अमेरिकी कॉलेजों में दाखिला मिल चुका था, इस बार कैंपस नहीं पहुंच पाए। कुछ का वीज़ा आवेदन प्रक्रिया में फंसा हुआ है, जो ट्रंप प्रशासन द्वारा इस गर्मी में और जटिल बना दी गई। कुछ छात्रों ने अमेरिका की इमिग्रेशन नीतियों से परेशान होकर खुद ही न आने का फैसला किया, क्योंकि अचानक उनका कानूनी दर्जा खत्म कर दिया गया था।

कई राज्यों में आया भूकंप

10 किमी की गहराई पर रहा केंद्र

नई दिल्ली. भारत के कई राज्यों में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी समेत उत्तर बंगाल में जोरदार भूकंप के झटके लगे हैं। भूकंप की तीव्रता 5.9 आंकी गई है। इस भूकंप का केंद्र असम के उदलगिरी जिले में रहा है। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंस के अनुसार, रविवार को उत्तरपूर्वी भारत में 5.9 भूकंप का भूकंप आया है। भूकंप का केंद्र जमीन से मात्र 10 किलोमीटर की गहराई पर रहा है।

नेपाल में राजशाही के लिए भी जगह हो

संविधान लोगों को न्याय नहीं दिला पाया

नई दिल्ली.

एक्ट्रेस मनीषा कोइराला ने एक पॉडकास्ट के दौरान नेपाल की राजनीति को लेकर अपनी बात रखी. उन्होंने कहा कि संविधान में राजशाही के लिए भी जगह होनी चाहिए थी. उन्होंने ये भी स्वीकार किया कि नेपाल में संविधान लोगों को न्याय दिलाने में असफल रहा. मनीषा नेपाल के दिग्गज राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखती हैं. उनके दादा बीपी कोइराला नेपाल के पहले प्रधानमंत्री थे. पिता प्रकाश कोइराला मंत्री थे.

मनीषा से पूछा गया कि नेपाल में बार-बार सरकारें क्यों गिर जाती है. इस पर उन्होंने कहा कि मैं नेपाल की वर्तमान राजनीति को लेकर काफी आलोचनात्मक हूं और ये कोई नई बात नहीं है. मैं राजनीति को बहुत बचपन से समझती आई हूं, शायद मां के गर्भ से ही सुनना शुरू कर दिया था. उन दिनों मेरे पिताजी कहा करते थे कि राजनीति सेवा है, यह जनता के लिए है. पिताजी कहते थे राजनीति एक सपना है जो आप जनता के लिए देखते हैं. लेकिन जब यह सपना हकीकत से कटने लगता है, तब समस्या शुरू होती है.

मनीषा ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि आज के नेता राजनीति को सही तरीके से समझते हैं. शायद जब वे युवा थे, तब अच्छे इरादों से आए थे. लेकिन जैसे-जैसे उन्हें समझौते करने पड़े, एक-एक कदम करके उनके सिद्धांत खोते चले गए. वही सपना धुंधला पड़ गया.

नेपाल एक लैंडलॉक देश है. दो बड़े पड़ोसी हैं. नेपाल का समाज एक तरफ आधुनिक है, तो दूसरी तरफ परंपराओं में भी गहराई से जुड़ा हुआ है. नेपाली परिवार दुनिया में कहीं भी हो, वे लाल टीका लगाएंगे ही लगाएंगे. अगर शादीशुदा हैं तो महिलाएं मंगलसूत्र जरूर पहनेंगी. हमारे पास एक बहुत अच्छा समाज है, जिसमें खुलापन भी है और परंपराएं भी. मुझे लगता है अगर हमने परंपरा और आधुनिकता को संतुलित किया होता, तो हालात बेहतर होते.

क्या संविधान लोगों को न्याय नहीं दे पाया?

हां, मुझे लगता है कि संविधान में राजशाही के लिए जगह होनी चाहिए थी. नेपाल में 80-90% लोग हिंदू हैं और आज भी राजा के प्रति सम्मान है. उस भावना को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए था. अब ये ठीक नहीं चल रहा है. कुछ बदलाव, अब ठीक नहीं लगते.

जब शाही महल में नरसंहार हुआ तब आप कहां थीं?

मैं उस समय लंदन में शूटिंग कर रही थी. खबर सुनकर पूरी तरह टूट गई थी. मैं जोर-जोर से रोई, मेरे माता-पिता मेरे साथ थे. मेरे पिता, जो कभी नहीं रोते, वे भी फोन पर फूट-फूटकर रो पड़े. लाखों नेपाली लोगों ने अपना सिर मुंडवाया था. आप उस भावना को मिटा नहीं सकते. वह आस्था, विश्वास, परंपरा हमारे अंदर गहराई से बसी हुई है. मैं चाहे जितनी भी आधुनिक हो जाऊं, लेकिन मुझे अपनी परंपराएं बहुत प्यारी हैं.

स्पेन में यूएस-चीन वार्ता से पहले भीषण विस्फोट

मैड्रिड/ताइपे.

स्पेन की राजधानी मैड्रिड में इस सप्ताह चीन और अमेरिका के बीच व्यापार, राष्ट्रीय सुरक्षा और सोशल मीडिया मंच टिकटॉक के स्वामित्व पर होने वाली वार्ता से पहले एक इमारत में विस्फोट हो गया है। इसमें कम से कम 25 लोग घायल हो गए हैं, जिनमें से दो की हालत गंभीर है। आपात सेवा विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस बीच चीन ने अमेरिकी सेमीकंडक्टर क्षेत्र को निशाने पर लेते हुए 2 जांच शुरू कर दी है। इससे दोनों देशों के बीच में तनाव बढ़ सकता है।

मैड्रिड में इसी हफ्ते प्रस्तावित अमेरिका-चीन वार्ता से पहले हुए विस्फोट ने भी दहशत फैला दी है। हालांकि स्पेन की समाचार एजेंसी 'ईएफई' ने बताया कि दमकलकर्मियों को संदेह है कि गैस लीक होने की वजह से विस्फोट हुआ। दमकल विभाग के प्रमुख जेवियर रोमेरो ने कहा कि दमकलकर्मियों ने अपराह्न तीन बजे तीन मंजिला इमारत के भूतल पर विस्फोट होने के बाद मलबे से चार लोगों को बाहर निकाला।विस्फोट के कारण एक कैफे, एक स्टोर और अन्य संपत्तियों को नुकसान पहुंचा है।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने अमेरिका से आयातित कुछ एनालॉग आईसी चिप पर संदेह है। ऐसे में इन चिपों की डंपिंग-रोधी जांच शुरू कर दी है। यह जांच कुछ कमोडिटी इंटरफेस आईसी चिप और गेट ड्राइवर आईसी चिप को लक्षित करेगी, जो आमतौर पर टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स और ओएन सेमीकंडक्टर जैसी अमेरिकी कंपनियों द्वारा बनाई जाती हैं। मंत्रालय ने अलग से चीन के चिप क्षेत्र के खिलाफ अमेरिकी उपायों की भेदभाव-विरोधी जांच की घोषणा की।

रविवार और बुधवार के बीच मैड्रिड में चीनी उप-प्रधानमंत्री हे लिफेंग और अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के बीच वार्ता होनी है। चीनी वाणिज्य मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि निर्यात प्रतिबंध और शुल्क जैसे अमेरिकी उपाय उन्नत कंप्यूटर चिप और कृत्रिम मेधा जैसे 'चीन के उच्च-तकनीकी उद्योगों के विकास को रोकते और दबाते हैं।'' जांच की घोषणा शुक्रवार को अमेरिका द्वारा 23 चीनी कंपनियों को उन व्यवसायों की सूची में शामिल करने के बाद हुई है, जिन पर अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के हितों के विरुद्ध कथित रूप से काम करने के लिए प्रतिबंध लगाए जाएंगे।इस सूची में वे दो चीनी कंपनियां भी शामिल हैं, जिन पर प्रमुख चीनी चिप निर्माता कंपनी एसएमआईसी के लिए चिप बनाने के उपकरण खरीदने का आरोप है। मैड्रिड में बेसेंट और हे के बीच बैठकें व्यापार तनाव कम करने और एक-दूसरे के उत्पादों पर ऊंचे शुल्क को स्थगित करने के उद्देश्य से की जा रही वार्ताओं की श्रृंखला के तहत होंगी।